संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 49
पृष्ठ 8
गुरुवार
07 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- परिवार संग घूमने का....

विचार- जीवन-संघर्ष से पलायन....

खेल- बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का.....

योगी ने विपक्ष पर जमकर किया वार, कहा-

ये 'महाअघाड़ी' नहीं, 'महाअनाड़ी' गठबंधन

महाराष्ट्र, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज महाराष्ट्र में चुनावी प्रचार के लिए पहुंचे थे। इस दौरान वाशिम विधान सभा क्षेत्र में उन्होंने भाजपा के लिए प्रचार किया। योगी ने विपक्ष पर जमकर वार किया। योगी ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा की विजय गाथा लिखने जा रहा है। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ये 'महाअघाड़ी' नहीं, 'महाअनाड़ी' गठबंधन है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या कांग्रेस ने कभी ईमानदारी से 'भारत' और 'भारतीयता' के बारे में सोचा? योगी ने साफ तौर पर कहा कि सत्ताएं तो आएंगी–जाएंगी। लेकिन हमारा 'भारत' रहना चाहिए और 'भारत' दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि बंटिए मत! क्योंकि जब भी बंटे थे तो कटे थे। एक हैं तो नेक हैं, एक हैं तो सेफ हैं। वहीं, अमरावती में योगी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने उस कालखंड में जब औरंगजेब जैसा बर्बर आक्रांता भारत में शासन कर रहा था, तब उन्होंने उसकी सत्ता को चुनौती दी थी। उन्होंने आगे कहा कि मुझे याद है कि जब 2017 में मुझे उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया तब मैं आगरा गया था। आगरा में जब मैं निरीक्षण कर रहा था तो मुझे बताया गया कि वहां एक मुग़ल संग्राहलय बन रहा है। मैंने कहा कि मुग़ल का भारत और आगरा से क्या संबंध है? हमने कहा भारत का संबंध छत्रपति शिवाजी महाराज से है। इस म्यूज़ियम का नाम बदलो। यह संग्राहलय मराठा और छत्रपति शिवाजी महाराज का प्रतीक बनना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सब मिलकर चलें और देश को आगे बढ़ाने का संकल्प्प लें। ध्ध्यान रखें, बात सबकी सुननी है, लेकिन बंटना नहीं है।

बहराइच में बुलडोजर मामले की सुनवाई टली, लखनऊ हाईकोर्ट में 11 नवंबर को होगी सुनवाई

● तब तक राज्य सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर सकेगी

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ हाईकोर्ट ने बुधवार को बहराइच में बुलडोजर कार्रवाई पर 11 नवंबर तक रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि फिलहाल इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जाए। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है कि जिन व्यक्तियों को नोटिस जारी किए गए हैं, क्या उनके परिसरों का कोई सर्वेक्षण किया गया है। क्या वे इन कथित अवैध भवनों के मालिक हैं। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी स्पष्टीकरण मांगा है कि क्या नोटिस संबंधित प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए थे या नहीं। अतिरिक्त महाधिवक्ता वीके शाही और मुख्य स्थायी अधिवक्ता शैलेन्द्र कुमार सिंह ने राज्य सरकार का पक्ष रखा। राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले में दाखिल जनहित याचिका पर जवाबी शपथपत्र दाखिल कर दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 11 नवंबर को होगी, जिसमें राज्य सरकार को अपना विस्तृत जवाब दाखिल करना है। इससे पहले हाईकोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य को कानून का पालन करना होगा और चुनिंदा तरीके से निर्माण को नहीं गिरा सकते। बहराइच के महाराजगंज के जिन 23 घरों में अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाने का नोटिस चस्पा किया गया था। इससे पहले 22 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई थी। तब राज्य सरकार के वकील ने जनहित याचिका पर आपत्ति दाखिल करने की बात कही थी। इस पर कोर्ट ने कहा था कि वह रजिस्ट्री में आपत्ति दाखिल कर सकते हैं।

हरदोई में भीषण सड़क हादसा,दस मरे

● ऑटो में सवार थे 15 लोग
दो मृतकों और 5 घायलों की हुई पहचान

हरदोई, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हरदोई में बुधवार को एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में भीषण सड़क हादसा हुआ. इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई है. मृतकों में छह महिलाएं एवं 2 बच्चे भी शामिल है. सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है. बताया जा रहा है कि यह हादसा एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में हुआ. पुलिस ने ऑटो और डीसीएम दोनों को कब्जे में ले लिया है. मामला हरदोई के माधवगंज कस्बे का है. पुलिस के मुताबिक एक सीएनजी ऑटो बिलग्राम कटरा बिल्हौर मार्ग पर बिलग्राम की तरफ आ रहा था. इसी दौरान रास्ते में एक बाइक सवार आ गए. उसे बचाने के लिए ऑटो चालक ने कट मारा. इतने में उल्टी दिशा में आ रहे डीसीएम से टकराकर पलट गया. हादसे के वक्त ऑटो में कुल 15 लोग सवार थे. यह सभी लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए. आसपास मौजूद लोगों ने आनन फानन में सभी घायलों को ऑटो से बाहर निकाला। हालांकि उस समय तक काफी देर हो चुकी थी. ऑटो में सवार 15 में से 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी. इनमें 6 महिलाएं, 2 बच्चे, एक पुरुष और एक किशोरी शामिल है. वहीं पांच अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. डॉक्टरों के मुताबिक इन घायलों की स्थिति भी नाजुक है. पुलिस के मुताबिक मृतकों में से अभी केवल दो महिलाओं की शिनाख्त हो पाई है. बाकी की पहचान कराने की कोशिश हो रही है.हरदोई पुलिस के मुताबिक यह हादसा हीरा रोशनपुर गांव के पास दोपहर करीब साढ़े बारह हुआ। हादसे के बाद मौके पर चीखपुकार मच गई. शोर सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग भाग कर मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी. इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने ही ऑटों में फंसे सभी लोगों को बाहर निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया. जहां डॉक्टरों ने 10 लोगों के मौत की पुष्टि की है. पुलिस के मुताबिक मृतकों में दो महिलाएं माधुरी और सुनीता की पहचान हुई है. जबकि घायलों में रमेश, संजय, विमलेश आनंद और किशोर शामिल हैं।

संवैधानिक मूल्यों को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी : प्रियंका गांधी

वायनाड (केरल), एजेंसी। केरल की वायनाड लोकसभा सीट से यूडीएफ गठबंधन की प्रत्याशी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके नेता नरेन्द्र मोदी संविधान के समानता, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रियंका ने दावा किया कि भाजपा के पिछले 10 साल के शासन में देश में विभाजन की राजनीति देखने को मिली है जहां सत्तारूढ़ दल ने सत्ता में बने रहने के लिए जनता का ध्यान उनकी वास्तविक समस्याओं से हटाने का प्रयास किया। मलप्पुरम जिले की वानदूर विधानसभा में चेरूकोडे में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि जब

ऐसे लोग राजनीति में शक्तिशाली हो जाते हैं तो लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्याओं के समाधान पर ध्यान नहीं रहता। कांग्रेस नेता ने वायनाड लोकसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए अपने पांच दिवसीय प्रचार अभियान के चौथे दिन आरोप लगाया कि भाजपा के शासन में देश में किसानों या मध्यम एवं लघु उद्यमों के लिए कोई समर्थन प्रणाली नहीं है। उन्होंने कहा कि छोटे और मझोले उद्योग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी होते हैं और बड़ी संख्या में रोजगार प्रदान करते हैं, लेकिन उन्हें किसानों की तरह ही समर्थन की जरूरत है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि वायनाड में मसालों जैसे उच्च गुणवत्ता के कृषि उत्पादों की पैदावार होती है, लेकिन किसानों को खेती में कोई भविष्य नजर नहीं आता और छात्र एवं अन्य लोग बेहतर रोजगार अवसरों तथा उच्च शिक्षा की तलाश में विदेश चले जाते हैं। उन्होंने पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे विषय भी उठाए।

मोदी ने ट्रंप को दी जीत की बधाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज करने पर श्री डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी है और उनसे भारत अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझीदारी को मज़बूत करके वैश्विक शांति के लिए काम करने की इच्छा व्यक्त की है। श्री मोदी ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप आपकी ऐतिहासिक चुनाव जीत पर हार्दिक बधाई। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत–अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझीदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को नवीनीकृत करने के लिए उत्सुक हूं। प्रधानमंत्री ने श्री ट्रंप का आह्वान करते हुए कहा, आइए, मिलकर अपने लोगों की भलाई के लिए और वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम करें। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव की मतगणना में श्री ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी ने करीब करीब बहुमत हासिल कर लिया है।

नागपुर में आरएसएस–भाजपा पर बरसे राहुल गांधी, बोले– जाति जनगणना होनी चाहिए

नागपुर, एजेंसी। नागपुर में 'संविधान सम्मान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए लोकसभा सांसद और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि जब आरएसएस और बीजेपी के लोग संविधान पर हमला करते हैं, तो वे सिर्फ इस किताब पर हमला नहीं कर रहे हैं, वे भारत की आवाज पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्थाएं संविधान से बनी हैं। यदि संविधान नहीं होगा,

तो कोई चुनाव आयोग भी नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आरएसएस इस पर (संविधान पर) सीधे हमला नहीं कर सकता। अगर वे इसके खिलाफ सामने से लड़ेंगे तो 5 मिनट में हार जायेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि 'विकास', 'प्रगति' और 'अर्थव्यवस्था', इन शब्दों के पीछे छिपकर वे हमला करने आते हैं। उन्होंने कहा कि हम हर सम्मेलन में अंबेडकर जी, गांधी जी, साहू महाराज जी समेत कई महान लोगों के बारे में बात करते हैं। लेकिन सच्चाई ये है कि जब हम इनकी बात करते हैं तो सिर्फ एक व्यक्ति की बात नहीं होती। क्योंकि इन महापुरुषों की बातों में भी करोड़ों लोगों की आवाज रहा करती थी। वे जब बोलते थे तो दूसरों का दुख, दर्द उनके मुंह से निकलता था, तभी हम उनको याद करते हैं। राहुल ने लोगों से कहा कि जब आप अंबेडकर जी की किताबें पढ़ेंगे तो साफ दिखेगा कि वे अपनी नहीं, दूसरों की बात कर रहे हैं।

'उत्तराखंड निवास' का नयी दिल्ली में धामी ने किया लोकार्पण

नयी दिल्ली/देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नयी दिल्ली के चाणक्यपुरी में उत्तराखंड राज्य अतिथि गृह 'उत्तराखंड निवास' का लोकार्पण किया। इस भव्य उत्तराखंड निवास का निर्माण लगभग 120 करोड़ 52 लाख की लागत से किया गया है। इस अवसर पर सबसे पहले मुख्यमंत्री ने अल्मोड़ा जनपद के मार्चुला बस दुर्घटना में दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके परिवारजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। श्री धामी ने कहा कि आज हम सब उत्तराखंड निवास के लोकार्पण के ऐतिहासिक पल के साक्षी बन रह हैं। उत्तराखंड निवास में राज्य की संस्कृति, लोक कला और वास्तुकला का समावेश किया गया है। उत्तराखंड की अद्वितीय कला की छाप उत्तराखण्ड निवास संजोये हुए है। इसकी दीवार पारंपरिक रूप से पहाड़ी शैली के सुंदर पत्थरों से निर्मित है, जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर को भी जीवंत करने का का कार्य करती है। यह भवन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को एक नई ऊंचाई प्रदान करने के साथ ही उत्तराखंड और देश–विदेश से आने वाले अतिथियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगा। श्री धामी ने कहा कि आरामदायी आवास व्यवस्था तथा उत्तराखंड की संस्कृति की झलक को समेटे यह भवन राष्ट्रीय राजधानी में हमारे प्रदेश की गरिमा का प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड निवास में हमारे पारंपरिक व्यंजनों की व्यवस्था की जाए। श्री अन्न उत्पादों और जैविक उत्पादों की बिक्री के लिए भी यहां पर एक विशेष काउंटर की व्यवस्था की जाए। उत्तराखंड की पहचान टोपी, पिछोड़ा, शॉल, जैकेट एवं राज्य के प्रसिद्ध उत्पादों की बिक्री की भी व्यवस्था हो। राज्य की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उच्च गुणवत्ता के उत्पाद बनाये जा रहे हैं। यह हमारे आने वाले अतिथियों के लिए एक विशेष प्रकार का अनुभव होगा। उन्होंने उत्तराखंड भवन के निर्माण में योगदान देने वाले सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। सभी श्रमिकों के समर्पण भाव की भी उन्होंने सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी नौ नवंबर को हम उत्तराखंड राज्य की रजत जयंती वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं। ऐसे में उत्तराखंड भवन का लोकार्पण श्रेष्ठ उत्तराखंड बनाने का हमारे संकल्प को मजबूती प्रदान करेगा और राज्य को आगे बढ़ाने में हम सबको प्रेरित करेगा।

डूबते सूर्य को दिया जाएगा पहला अर्घ्य, बाजार और घाटों पर बिखरी छठ की छटा

प्रयागराज। लोक आस्था के महापर्व डाला छठ मंगलवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो चुका है। तीन दिनी छठ पूजा के दूसरे दिन बुधवार को खरना है। इस दिन शाम को गुड़ और चावल की खीर बनाकर उसका भोग लगाया जाएगा। महिलाएं निर्जला व्रत रखकर अगले दिन बृहस्पतिवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगी और शुक्रवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर संतान और परिवार के लिए मंगल कामना करेंगी। नहाय–खाय के साथ मंगलवार को चार दिनी छठ महापर्व की शुरुआत हुई। व्रतियों ने पूजा–अर्चना कर छठ व्रत का संकल्प लिया और चने की दाल और लौकी की सब्जी को प्रसाद

के रूप में ग्रहण किया। बुधवार को खरना में श्रद्धालु खीर का प्रसाद बनाकर छठी मैया को भोग लगाएंगे। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत धारण करेंगे। बृहस्पतिवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। फिर शुक्रवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महापर्व संपन्न होगा। शहर के विभिन्न घाटों और बाजारों में छठ की छटा संग श्रद्धालुओं में उत्साह नजर आया। पूजा के उपयोग में आने वाले फल और सब्जियों सहित अन्य सामग्री की जमकर खरीदारी की गई। संगम और बलुआघाट सहित शहर के करीब एक दर्जन से अधिक घाटों पर छठ की तैयारी की गई है, जहां बृहस्पतिवार की शाम श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। इससे पहले मंगलवार को चौक, बलुआघाट, अलोपीबाग आदि बाजारों में छठ पूजन सामग्री की लोगों ने जमकर खरीदारी की। खास तौर पूर्वांचल छठ पूजा एवं विकास समिति की ओर से संगम तट पर वैदिक परम्परा से भगवान भास्कर की भव्य मूर्ति स्थापित की गई। पूजन आरती के बाद सूर्य आह्वान, आदित्य हृदय श्रोत पाठ एवं 108 बार सूर्य चालीसा का पाठ ग्यारह बटुक ब्राह्मणों द्वारा किया गया। इस दौरान छठी मैया के नारों से पूरा संगम तट गूंज उठा। समिति के कार्यकर्ताओं ने आस–पास स्वच्छता अभियान भी चलाया। बुधवार को खरना के अवसर पर समिति की ओर से श्री अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से समिति के अध्यक्ष अजय राय, शेषनाथ सिंह, उपाध्यक्ष अमन सिंह, वीके सिंह, सुदामा सिंह, श्रीप्रकाश राय, बृजेश पाण्डेय, आत्मा नन्द सिंह, महामंत्री अतुल राय, अमन सिंह यादव, कृष्णा नंद तिवारी, करण सिंह आदि लोग शामिल रहे। छठ में नहाय–खाय के दिन लौकी की सब्जी का विशेष महत्व होता है। यही कारण है कि मंगलवार को बाजार में लौकी के भाव बढ़ गए। कटरा बाजार के सब्जी विक्रेता विजय गुप्ता का कहना है कि दो दिन पहले जो लौकी 20 रुपये प्रति किलो मिल रही थी, वो मंगलवार को 35–40 रुपये किलो बिकी। इसके बावजूद भी श्रद्धालुओं ने जमकर खरीदारी की। डाला छठ के मद्देनजर संगम तट पर कई दिनों से साफ–सफाई का काम चल रहा है। बृहस्पतिवार की शाम और शुक्रवार घाटों पर भारी भीड़ उमड़ेगी। घाट पर उबड़–खाबड़ जमीन को समतल करने के साथ ही गंगा की सफाई भी की गई। अधिकारियों ने भी घाटों का निरीक्षण किया।

प्रयागराज में बिजली उपकेंद्र में लगी भीषण आग: यमुनापार का उपकेंद्र पूरी तरह जला, 300 गांवों की बिजली गुल, अफसर पहुंचे

प्रयागराज। प्रयागराज के यमुनापार इलाके में बुधवार दोपहर एक बिजली उपकेंद्र में भीषण आग लग गई। उपकेन्द्र में आग फैलने से लपटें उठने लगीं। इससे अफरातफरी मच गई। भीषण आग की वजह से यमुनापार के उस इलाके की बिजली सप्लाई बंद करनी पड़ी। सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने 2 से तीन घंटे की मशक्कत से आग को कंट्रोल किया। उपकेंद्र में आग की वजह से करीब 300 गांवों की बिजली गुल हो गई। उपकेंद्र में लगे कई ट्रांसफार्मर पूरी तरह जल गए। बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। घटना प्रयागराज के बारा तहसील मुख्यालय से कुछ दूर पर स्थित लाला का पुरवा में बने बिजली उपकेंद्र में हुई। पहले एक ट्रांसफॉर्मर में शॉर्ट सर्किट से आग लगी। इसके बाद आग फैल गई। लपटें इतनी भयावह थी कि बगल में बनी बिल्डिंग के कमरे तक पहुंच गई।

प्रयागराज में 5 हजार में बन रहे फर्जी मैरिज सर्टिफिकेट: पकड़ा गया गिरोह, यूपी के लव कपल्स यहीं पहुंचते हैं

प्रयागराज। लव मैरिज करना चाहते हैं, शादी का प्रमाण पत्र चाहिए। घर से भागे हैं, पुलिस विवाह का प्रमाण पत्र दिखाना है। विवाह प्रमाण पत्रों के जरिए इलाहाबाद हाईकोर्ट से सुरक्षा मांगनी है। सुरक्षा को लेकर याचिका दायर करनी है। कुछ इस तरह का खेल प्रयागराज में कई सालों से चल रहा है। ग्राहकों को शादी के फर्जी प्रमाण पत्र बांटे जा रहे थे। 5 हजार रुपए तक में रजिस्टर्ड प्रमाण पत्र थमा दिए जा रहे थे। ऐसे कई गिरोह प्रयागराज में सक्रिय हैं जो आर्य समाज मंदिर समेत अन्य धार्मिक संस्थाओं के फर्जी मैरिज सर्टिफिकेट 5 से 10 हजार रुपए में दे रहे थे। हाईकोर्ट का चाबुक चलने के बाद पुलिस ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ करने लगी है। आर्य समाज मंदिर समेत अन्य धार्मिक संस्थाओं के शादी के फर्जी प्रमाण पत्रों के जरिये इलाहाबाद हाईकोर्ट में लगातार सुरक्षा की मांग की जा रही थी। यह मामले लगातार बढ़ रहे थे। इन केसों केसों को लेकर याचिकाएं दाखिल हो रही थीं। कोर्ट ने इस पर सख्त रुख अपनाया और जांच कराई तो फर्जीवाड़ा का खुलासा होने लगा। अब पुलिस भी एक्शन में आ गई। प्रयागराज पुलिस ने शादी के फर्जी प्रमाण पत्र जारी करने वाले गिरोह के दो शातिरों को अरेस्ट किया है। डीसीपी सिटी अभिषेक भारती के मुताबिक, कैंट पुलिस और एसओजी ने छापेमारी कर कूटरचित विवाह प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह के 02 अभियुक्त को अरेस्ट कर 03 मॉनीटर, 03 सीपीयू, 3 की–बोर्ड, 3 माउस व 2 प्रिन्टर बरामद किया है। यह गिरोह धार्मिक संस्थाओं के फर्जी विवाह प्रमाण पत्र तैयार कर बेचते थे। शादी हुई हो न हुई हो, घर से भागे हों, अंडर ऐज हों, ऐसे मामलों में यह गिरोह अधिक से अधिक रुपए लेकर प्रमाण पत्र मुहैया करा देता था। बाद में मुकदमों में, हाईकोर्ट से सुरक्षा मांगने में वही प्रमाण पत्र लगाए जाते थे।

अपराध पर अंकुश लगाने का निर्देश

प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित त्रिवेणी सभागार में राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों के साथ अपराध गोष्ठी की। उन्होंने यमुनानगर जोन की कानून–व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। साथ ही अपराध की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड़ तेज करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि थाने में शिकायत व समस्या लेकर आने वाले लोगों के साथ बेहतर ढंग से पेश आए। साथ ही प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण किया जाए। उन्होंने यातायात माह में वाहन चालकों को भी ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने की सलाह दी।

शास्त्री पुल की मरम्मत से एक लेन बाधित

प्रयागराज। प्रयागराज को पूर्वांचल से जोड़ने वाले शास्त्री पुल में खराबी आ गई है। पुल के दो पिलर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जिसकी वजह से सड़क पर कई जगह बड़े बड़े गढ्ढे हो गए हैं। पुल के पिलर संख्या 35 व 54 की मरम्मत का कार्य सुबह दस बजे से शुरू हो गया है। पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड तीन के अधिशाषी अभियंता नवीन कुमार शर्मा ने बताया कि शाम छह बजे तक मरम्मत का कार्य पूरा होने की उम्मीद है। इसके लिए कई तकनीकी विशेषज्ञ पुल पर कार्यों की मानिटरिंग करते रहेंगे। मरम्मत का कार्य शुरू होने से पूर्वांचल की ओर जाने वाले भारी वाहनों को फाफामऊ की ओर से सहसों भेजा जा रहा है।

सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी मामले में सुनवाई शुरू, आ सकता है फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बुधवार को सीसामऊ विधानसभा से विधायक रहे इरफान सोलंकी के मामले की सुनवाई शुरू हो गई है। जाजमऊ के अगजनी कांड में मिली सजा को लेकर दाखिल अपीलों पर पिछली तारीख पर सुनवाई नहीं हो सकी थी। इसके लिए छह नवंबर की तिथि मुकर्रर की गई थी। आज इस पर फैसला आ सकता है। इरफान को सजा मिलने के बाद खाली हुई सीसामऊ सीट पर चुनाव हो रहा है। यहां से समाजवादी पार्टी ने उनकी पत्नी नसीम सोलंकी को प्रत्याशी बनाया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति

राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति सुरेंद्र सिंह प्रथम की अदालत कर रही है। पिछली सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष की ओर से बताया गया कि अपर महाधिवक्ता पीसी श्रीवास्तव ने पद से इस्तीफा दे दिया है। अब तक वह मामले में सरकार का पक्ष रख रहे थे। लिहजा, पक्ष रखने के लिए सरकार को समय की जरूरत है। गौरतलब है कि जाजमऊ थाना क्षेत्र के डिफेंस कॉलोनी निवासी नजीर फातिमा की झोपड़ी में आग लगाने के मामले में कानपुर नगर की एमपीध्एमएलए की विशेष अदालत ने इरफान , उसके भाई रिजवान समेत दस को सात साल कारावास की सजा सुनाई थी। सजा को रद्द करने की मांग के साथ इरफान और रिजवान ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। वहीं, प्रदेश सरकार ने सात साल की सजा की नाकाफी बताते हुए उम्रकैद की मांग की है। हाईकोर्ट ने इरफान और सरकार की अपीलों पर एकसाथ सुनवाई चल रही है। इरफान की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल चतुर्वेदी और उपेंद्र उपाध्याय बहस कर रहे है, जबकि सरकार की तरफ से अपर महाधिक्ता पीसी श्रीवास्तव और एजीए प्रथम जेके उपाध्याय पक्ष रख रहे है।

एक दिन की परीक्षा के लिए अभियान में ढाई लाख अभ्यर्थी शामिल, 11 नवम्बर सोमवार को आयोग के घेराव का निर्णय

प्रयागराज । पीसीएस और आरओ–एआरओ परीक्षा एक दिन में कराए जाने की मांग

को लेकर मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभियान चलाया गया, जिसमें तकरीबन ढाई लाख अभ्यर्थी शामिल हुए। एक्स पर यह अभियान देश में नंबर एक पर ट्रेंड करता रहा। शाम को मम्फोर्डगंज में हुई सभा में अभ्यर्थियों ने 11 नवंबर को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के घेराव का निर्णय लिया। अभ्यर्थी एक ही मांग पर अड़े हैं कि पीसीएस और आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा एक ही दिन में कराई जाए। एक्स पर 'हैशटैग यूपीपीएससी आरओध्एआरओ वनशिफ्ट' नाम से चलाए गए अभियान को 2. 40 लाख अभ्यर्थियों ने अपना समर्थन दिया। हालांकि, इतने व्यापक विरोधा के बावजूद आयोग ने शाम को दोनों ही परीक्षाएं दो दिन कराए जाने का निर्णय ले लिया। आयोग के इस निर्णय के बाद अभ्यर्थियों की मम्फोर्डगंज स्थित शिवाजी पार्क में सभा हुई, जिसमें तय हुआ कि आयोग के निर्णय का लगातार विरोध किया जाएगा और 11 जनवरी को आयोग का घेराव होगा, जिसमें ज्यादा से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल होंगे। सभा में शामिल प्रतियोगी छात्र पंकज पांडेय, राजन तिवारी, प्रशांत, आशीष, राघवेंद्र, धीरज, आशुतोष आदि ने कहा कि आयोग के इस निर्णय से विधिक समस्या उत्पन्न होगी। आयोग इस व्यवस्था के पारदर्शी होने के भले ही तमाम दावे करे लेकिन अभ्यर्थी इससे संतुष्ट नहीं हैं। इससे अभ्यर्थियों को सिर्फ नुकसान होगा और योग्य अभ्यर्थी भी छंटकर बाहर हो जाएंगे। अभ्यर्थियों ने कहा कि आयोग जब तक अपना निर्णय वापस नहीं लेता है, उनका आंदोलन जारी रहेगा। जरूरत पड़ी तो इसे निर्णय के खिलाफ अभ्यर्थी न्यायालय की शरण में जाएंगे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने 17 नवंबर को प्रस्तावित वैज्ञानिक अधिकारी स्क्रीनिंग परीक्षा भी स्थगित कर दी। इस परीक्षा के माध्यम से उत्तर प्रदेश विधि विज्ञान प्रयोगशाला के पांच डोमनों जीव विज्ञान क्षेत्रध्क्षेत्र, कंप्यूटर क्षेत्रध्प्रक्षेत्र, फोरेंसिक क्षेत्रध्क्षेत्र, भौतिक शास्त्र क्षेत्रध्क्षेत्र, रसायन शास्त्र क्षेत्रध्क्षेत्र और आचार विज्ञान क्षेत्रध्प्रक्षेत्र के तहत कुल 41 पदों पर भर्ती होनी है। आयोग के उप सचिव डीपी पाल के अनुसार उत्तर प्रदेश लोक सेव आयोग (प्रक्रिया का विनियमन) अधिनियम 1985 में संशोधन के मद्देनजर यह परीक्षा स्थगित की गई है। आयोग की ओर से जारी होने वाले अगले परीक्षा कैलेंडर में इसे पुनरू निर्धारित किया जाएगा।

प्रयागराज में टीचर ने क्लास 2 की बच्ची को पीटा: गंभीर हालत में ICU में भर्ती, पिता बोले- स्कूल वालों ने 2 घंटे बाद दी सूचना

प्रयागराज। प्रयागराज में क्लास 2 की छात्रा की स्कूल में पिटाई का मामला सामने आया है। स्कूल टीचर ने 7 साल की आदिति सिंह मार दिया जिससे वह बेहोश हो गई। बच्ची की जान पर बन आई। घरवाले डॉक्टर के पास पहुंचे तो डॉक्टर से सीरियस बोल जवाब दे दिया। रोता बिलखता परिवार फिनिक्स अस्पताल पहुंच। छात्रा आईसीयू में भर्ती है। उसके सिर पर चोट की बात कही जा रही है। वह सदमें है। पिता ने जार्जटाउन थाने में स्कूल प्रबंधन और क्लास टीचर के खिलाफ तहरीर दी है। शहर के जार्जटाउन इलाके में रहने वाले गजेंद्र सिंह की बेटी आदिति सिंह जार्जटाउन स्थित जगत तारन गोल्डन जुबली स्कूल में कक्षा 2 में पढ़ती है। मंगलवार को आदिति सुबह आठ बजे स्कूल गई थी। पिता गजेंद्र सिंह ने बताया कि 11 बजे के करीब उनके पास क्लास टीचर का फोन आया कि आदिति स्कूल में बेहोश हो गई है फौरन स्कूल आ जाइए। गजेंद्र ने जब स्कूल प्रिंसिपल से बात करनी चाही तो बात नहीं कराई गई। परिवार वाले भागते हुए स्कूल पहुंचे तो देखा आदिति बेहोश मिली। छात्रा के पिता का कहना है कि वह पास के डॉ. मनोज गुप्ता के अस्पताल पहुंचे तो उन्होंने कहा कि बच्ची की हालत बहुत सीरियस है। इसे तुरंत बड़े अस्पताल ले जाना होगा। इसके बाद आदिति को फिनिक्स अस्पताल ले गए। वहां भी हालत गंभीर बताते हुए आईसीयू में भर्ती किया गया। पिता का आरोप है कि बच्ची के संबंध में जब स्कूल वालों से बात की गई तो वह टालमटोल करने लगे। क्लास की दूसरी छात्राओं से बातचीत करने पर पता चला कि सुबह उसे क्लास में बुरी तरह पीटा गया था। उसके सिर में चोट लगने की वजह से वह रोती रही। पिता का कहना है कि बच्ची सुबह आठ बजे बेहोश हुई लेकिन स्कूल वाले पूरा मामला दबाए रहे और 11 बजे सूचना दी जब बच्ची की हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई।

मां कुसुम लता का रो रोकर बुरा हाल है। उनका कहना है कि बच्ची सदमें है। पिता गजेंद्र खुद भी यमुनापार के घूरपुर इलाके एक स्कूल में टीचर हैं। पिता ने जार्जटाउन थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को स्कूल में बेरहमी से पीटा गया जिससे उसकी जान पर बन आई। जार्जटाउन पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। बुधवार को क्लास टीचर का बयान लिया जाएगा। हालांकि स्कूल प्रबंधन का कहना है कि बच्ची को टीचर ने नहीं पीटा बल्कि ग्रांउड में उसे धक्का लगा और वह गिर गई। इसी से वह बेहोश हो गई थी। स्कूल टीचर ने आरोपों को गलत बताया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में सुनवाई शुरू, मामले में तय किए जाएंगे वाद बिंदु

प्रयागराज । श्रीकृष्ण जन्म भूमि एवं शाही ईदगाह विवाद मामले में बुधवार को सुनवाई शुरू हो गई है। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन के सेवानिवृत्त होने के बाद न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की पीठ सुनवाई कर रही है। सभी वादों को एक साथ सुनने के आदेश के विरोध में दाखिल रिकॉल आवेदन को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई के दौरान खारिज कर दिया था। मामले में वाद बिंदु तय करने के लिए छह नवंबर की तिथि तय की गई थी। हिंदू पक्ष ने सभी विवादों का एकत्रीकरण कर तत्काल वाद बिंदुओं को तय करके सुनवाई की जाए। मुस्लिम पक्ष की तरफ से इसका विरोध किया गया। कोर्ट में मुस्लिम पक्ष ने सभी मुकदमों की अलग– अलग सुनवाई करने की मांग कोर्ट से की थी। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद हाईकोर्ट ने सुरक्षित रख लिया था। आज हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष के आवेदन को खारिज कर दिया। अब सभी मुकदमे एक साथ चलाए जाएंगे।

भाजपा नेत्री ने गंगा तट पर चलाया सफाई अभियान, लोगों को पॉलिथीन के खतरों से किया आगाह

प्रयागराज। छठी मैया का व्रत–पूजन के मद्देनजर भाजपा की प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी ने क्षेत्रीय पार्षद सतीश केसरवानी के साथ बरूआ बाबा घाट पर वृहद स्वच्छता एवं सिंगल यूज

पालीथीन मुक्त अभियान चलाया। अनामिका ने टीम लीडर नेहा केशरी, विजय केशरी के साथ स्नान कर रहे श्रृद्धालुओं को तट पर साफ सफाई के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि तट पर सिंगल यूज पालीथीन का प्रयोग बिल्कुल भी न करें। पॉलिथीन नदियों के अंदर जाकर जलीय जीव जंतुओं को खत्म कर रही है। नदियों को स्वच्छ, निर्मल बनाए रखने में इन्हीं जलीय जीव जंतुओं का बहुत बड़ा सहयोग है। पार्षद सतीश केसरवानी ने छठ पूजा के पूर्व घाट पर सफाई रखने के लिए लोगों को जागरूक किया। प्रतिदिन घाटों पर स्वच्छता करने वाले वरिष्ठ व्यवसायी नितिन केसरवानी को सपत्नीक तथा अन्य समाजसेवी को अनामिका चौधरी एव पार्षद सतीश केसरवानी ने नमामि गंगे टी शर्ट और कैप देकर सम्मानित किया। इस मौके पर जाह्नवी निषाद, अरुण निषाद, सुधीर श्रीवास्तव अशोक, जायसवाल, पांडेय, दिलीप सेन, कवीश अरोरा, पंकज राय, भीम सिंह पटेल, मेजर सुनील निषाद, हवलदार राजीव कुमार एवं नगर निगम के कर्मचारियों, सृष्टि संस्था ने मिलकर संपूर्ण घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाया और लोगों को जागरूक किया। लगभग चार–पांच गाड़ी पुराने माला – फूल, कपड़े,चित्र, मूर्ति को इकट्ठा कर उसे नगर निगम प्रयागराज द्वारा निस्तारित कराया गया।

प्रयागराज के अधूरे काम पर प्रमुख सचिव नाराज: अफसरों को लगाई फटकार, महाकुंभ को लेकर चल रहे कामों को 30 नवंबर तक पूरा करना होगा

प्रयागराज। प्रयागराज में लगने जा रहे महाकुंभ को लेकर चल रही तैयारियां समय से पूरा होने का दावा भले ही अधिकारी कर रहे हैं, लेकिन हकीकत अलग है। मंगलवार को प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने भी अधिकारियों के दांवों को मौके

पर जाकर देखा। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए महाकुंभ 2025 के कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा कराने का निर्देश दिया। प्रयागराज पहुंचे प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग अमृत अभिजात ने प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में महाकुम्भ–2025 के दृष्टिगत कराये जा रहे कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयसीमा 30 नवम्बर तक पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कराये जा रहे कार्यों की थर्ड पार्टी व अन्य जांच एजेंसियों से नियमित अंतराल पर जांच कराते रहने के निर्देश दिए है। कहा कि कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। जांच में यदि किसी कार्य की गुणवत्ता में कोई कमी पायी गयी, तो सम्बंधित विभाग के अधिकारी ही पूर्ण रूप से इसके लिए उत्तरदायी होंगे। मेलाधिकारी विजय किरन आनन्द ने महाकुम्भ–2025 के दृष्टिगत कराये जा रहे प्रत्येक विभाग से सम्बंधित कार्यों की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रमुख सचिव ने कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों से पर्ट चार्ट के अनुसार पीछे चल रहे उनके क्रिटिकल प्रोजेक्टों के कार्य को समय से पूर्ण कराये जाने के लिए कांटैक्टर पूलिंग, अतिरिक्त मैनपॉवर लगाने, कार्य के शिफ्ट व मैटेरियल आपूर्ति को बढ़ाकर दिन–रात कार्य कराते हुए निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराये जाने के लिए निर्देशित किया है। प्रमुख सचिव ने जल निगम के द्वारा कराये जा रहे कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अलोपीबाग सिवरेज पम्पिंग स्टेशन की क्षमता वृद्धि व सुदृढ़ीकरण के कार्य को प्रत्येक दशा में 2 दिसम्बर तक पूर्ण कराने का निर्देश दिया। जिससे सीवरेज ओवरफ्लों की समस्या समाप्त हो सके और नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। सेतु निगम के कार्यों की समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव ने सेतु निगम द्वारा बनाये जा रहे 14 फ्लाइओवरों के प्रगति की जानकारी ली। जिस पर सम्बंधित अधिकारियों के द्वारा बताया गया कि 13 फ्लाइओवर पर्ट चार्ट के अनुसार चल रहे है सिर्फ सूबेदारगंज फ्लाइओवर का कार्य पर्ट चार्ट से पीछे चल रहा है। प्रमुख सचिव ने सूबेदारगंज फ्लाइओवर के कार्य को भी गुणवत्ता के साथ समयसीमा में ही पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए है। सिंचाई विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए सर्कुलेटिंग एरिया बढ़ाये जाने के दृष्टिगत रिवर चौनलाइजेशन व शास्त्री ब्रिज से संगम नोज तक का सिल्ट डिपाजिट का कार्य 30 नवम्बर तक पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। साथ ही साथ उन्होंने घाटों के निर्माण कार्य को भी निर्धारित समय में पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है।

विश्वनाथ में लोक आस्था का महापर्व छठ के व्रतधारी भास्कर को प्रथम संध्या अर्घ्य आज अर्पित करेगी'

'व्रतियों का 36 घंटा निर्जला व्रत खरना से शुभारंभ'

'छठ के मौके पर विश्वनाथ चारिआलि शहर में काफी भीड़ उमड़ी'

विश्वनाथ, असम सरू देशभर में सूर्योपासना व आस्था का महापर्व छठ पूजा का उल्लास के बीच विश्वनाथ जिले के सभी घाट दुल्हन की तरह सज उठी है। जिले के सदर विश्वनाथ चारिआलि शहर के डेली बाजार के रास्ते के दोनों छोड़ पर व्रतधारी नंगे पाँव छठ के विविध ऋतु फल,अर्घ्यपात और दौरी– सूप खरीदते दिखाई दी। विशेष बात यह है कि बाजार में सभी प्रकार के ऋतु फल के साथ असंख्य फलों दिखाई दी, जो वर्ष एक बार एक साथ दिखाई देती है। विविधता में एकता का परिचाय देते हुए अल्पसंख्यक भी फल और सूप–दौरी का दुकान देकर व्रतियों से सामग्री बिक्री करते दिखे गए।आज व्रतियों ने खीर – पुरी व फल से खरना करने के बाद 36 घंटा निर्जला व्रत का शुभारंभ कर दी है। इधर व्रतधारी कल (वृहस्पतिवार))को अस्ताचलगामी भास्कर को अर्घ्य देने के तैयारी पूरी कर ली है। जिले के सभी छठ पूजा समिति के साथ विश्वनाथ चारिआलि शहर के आमबाड़ी में स्थित श्री श्री केंद्रीय छठ पूजा घाट और पश्चिम चाराली छठ पूजा समिति के फलफली बाकरी की सजावट तथा आलोक सजा आकर्षण का केंद्र बिंदु बन पड़ा है। सुबह व्रतधारी को पंक्तिबद्ध तरीके से पूजारी रामानंद ओझा जी ने दूध से भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कराया ।घाट पर छठ पूजा का छटा छाया रहा ।उल्लेखनीय है कि गुप्त काशी विश्वनाथ घाट, हल्दियाबाड़ी, बालिचांग, असम –अरुणाचल सीमावर्ती डफलागढ़, हेलम, बेदेती , बरगांग, मोनाबाड़ी, बाघमारी ,सोतिया, ईटाखोला आदि स्थानों में भी आस्था का महापर्व छठ की छटा देखते बन रही है।

लोकगीत गायिका पद्म विभूषण शारदा सिन्हा के निधन पर श्रद्धांजलि

मीरजापुर।लोकगीतों की ख्यातिलब्ध गायिका स्वरकोकिला पद्म विभूषण श्रीमती शारदा सिन्हा के निधन से आहत जनपद मीरजापुर के साहित्यकारों ने शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा ने श्रीमती शारदा सिन्हा के निधन को लोक जीवन की अपूरणीय क्षति बताया। साहित्यकार गणेश गंभीर ने कहा कि छठ मईया के गीतों की अनन्य लोक गायिका शारदा सिन्हा छठ पर्व पर ही प्रयाण कर गयीं, यह दैवीय कृपा ही है। साहित्यकार लल्लू तिवारी ने कहा कि हिन्दी,मगही, भोजपुरी और मैथिली की विश्व प्रसिद्ध गायिका श्रीमती सिन्हा के निधन से हम सभी आहत हैं। अरविंद अवस्थी ने कहा कि शारदा सिन्हा ने फिल्मों में भी अपनी गायकी से देश का नाम रोशन किया। उनके गीत भविष्य में लंबे समय तक गुनगुनाये जाते रहेंगे। केदारनाथ सविता ने कहा कि अपने गीतों से जनमानस को भावुक कर देने वाली गायिका शारदा सिन्हा को हमेशा याद किया जायेगा। श्रद्धांजलि देने वाले अन्य लोगों में सर्वश्री श्याम अचल, पूजा यादव, नन्दिनी वर्मा, गुमनाम मिर्जापुरी आदि प्रमुख थे।

वित्त मंत्री ने लिया लक्ष्मण मेला मैदान घाट पर तैयारियों का जायजा

– अधिकारियों को छठ घाटों पर व्यवस्था चॉक–चौबंद रखने के निर्देश

– सुरेश खन्ना ने छठ महापर्व पर प्रदेशवासियों को दी हार्दिक बधाई

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने छठ महापर्व के आयोजन को देखते हुए आज लक्ष्मण मेला मैदान घाट पर तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम प्रवेश एवं निकास हेतु पर्याप्त व्यवस्था किया जाए। वैकल्पिक प्रवेश एवं निकास द्वारों की भी व्यवस्था रखी जाए। श्री खन्ना ने छठ महापर्व पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए सभी उपासकों से स्वच्छ, सुरक्षित, जीरो वेस्ट, प्लास्टिक मुक्त पर्व मनाने एवं गोमती नदी को प्रदूषण मुक्त बनाए रखने में सहयोग हेतु अपील की। उन्होंने छठ पूजा को लेकर घाटों व मार्गो में की जा रही व्यवस्थाओं, सुंदरीकरण, घाटों की मरम्मत, साफ सफाई, प्रकाश व सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को छठ घाटों पर व्यवस्थाओं को चॉक–चौबंद करने हेतु जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं को कोई भी परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु अपनी मुरादे पूरी करने के लिए सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर पूर्ण श्रद्धा और आस्था के साथ यह त्योहार मनाते हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि घाटों पर साफ–सफाई की बेहतर व्यवस्था हो। सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न हो, कूड़ा कचरा इधर–उधर न फैले इसके लिए घाटों पर डस्टबिन रखवाए जाएं। पूजा सामग्री नदी में प्रवाहित न हो इसके लिए लोगों को जागरूक किया जाए। नगर के लोग छठ पर्व को दिव्य और भव्य रूप से मनाए, इसके लिए घाटों का सुंदरीकरण कराए जाए, जिससे श्रद्धालुओं को पूर्ण शांति व खुशी का एहसास हो। गहरे पानी में जाने से बचने के लिए नदी में बैरिकेटिंग की जाए। किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए जल पुलिस और गोताखोर भी तैनात किए जाएं। छठ घाटों और मार्गो में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था कराई जाए।

लोकपाल मनरेगा की जनसुनवाई में पांडव कालीन विराट धाम के जीर्णोद्धार की हुई मांग

बीजेपी किसान मोर्चा के अध्यक्ष व महामंत्री ने मिलकर दिया सुझाव

प्रतापगढ़ सपट्टी ब्लाक के बारडीह ग्राम स्थित पांडव कालीन पौराणिक व ऐतिहासिक धार्मिक स्थल विराट धाम के जीर्णोद्धार हेतु धाम के मुख्य पुजारी ने लोकपाल मनरेगा को पत्र देकर मांग की। बीजेपी किसान मोर्चा के अध्यक्ष विजय मिश्र व महामंत्री अतुल शुक्ल तथा कोषाध्यक्ष दुर्गेश तिवारी ने लोकपाल समाज शेखर से मुलाकात करके मनरेगा व ग्राम्य विकास की योजनाओ के सम्बन्ध ा में महत्वपूर्ण सुझाव दिया। लोकपाल समाज शेखर की जनसुनवाई में राजा विराट की नगरी के अवशेष 52 बीघे टीले के संरक्षण व धाम के विकास हेतु विराट धाम के पुजारी विद्या शंकर पाठक ने मीडिया बेलफेयर एशोसियेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण शुक्ल ने मुलाकात करके आग्रह पत्र सौपा। उन्होंने बताया की पूर्व में भी आग्रह किया गया था कुछ कार्य हुआ है। परंतु धाम स्थित टीले झाड़ी व उबड़ खाबड भूमि के समतलीकरण की मांग की। जिस पर लोकपाल समाज शेखर ने तय किया की ग्राम व ब्लाक के अधिकारियों के साथ स्थलीय भ्रमण व निरीक्षण करके आवश्यक निर्देश दिया जायेगा। उन्होंने कहा की चूंकि उक्त स्थल प्राचीन धरोहर है अस्तु जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी के संज्ञान में लाकर समुचित सहयोग का आश्वासन दिया। बीजेपी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष विजय कुमार मिश्र ने लोकपाल समाज शेखर से मुलाकात करके मनरेगा में व्याप्त भ्रष्टाचार पर चिंता व्यक्त करते हुए फर्जी मजदूरों व कर्मियों पर समुचित कार्यवाही का सुझाव दिया। किसान मोर्चा के महामन्त्री अतुल शुक्ल ने लोकपाल द्वारा किये जा रहे प्रयास की सराहना करते हुए ग्राम स्तर पर हर संभव सहयोग की बात कही।

स्वर कोकिला का निधन लोक संगीत जगत की अपूरणीय क्षतिः अशोक

करछना। भोजपुरी,मैथिली विभाषाओं के साथ–साथ हिंन्दी गीतों में भी अपनी खनकदार आवाज का जादू बिखरने वाली स्वर कोकिला शारदा सिन्हा का निधन लोक गायन जगत में एक बड़ी और अपूरणीय क्षति है,जिसकी भरपाई कई दशकों तक संभव नहीं। लगभग 3 दशकों तक अपनी लोक परंपरा,लोक संस्कृति,सामाजिक संस्कार और माटी के खांटी गीतों के लोकरंग को लेकर उन्होंने करोड़ों लोगों के दिलों पर राज किया। एक ओर आदर्श भारतीय नारी के रंग रूप का छाप छोड़ती उनकी बोलीऔर भाषा सहजता,सादगी,हंसमुख स्वभाव लोगों को आकर्षित करता रहा तो वहीं दूसरी ओर मंत्रमुग्ध करने वाली जादुई आवाज की धनी शारदा सिन्हा को पद्म भूषण और पद्मश्री जैसे सम्मान की हनक छू तक नहीं सकी। यह बातें के एन. कान्वेंट स्कूल कटका में शारदा सिन्हा के निधन पर आयोजित एक श्रद्धांजलि सभा के दौरान चर्चित हास्य कवि और मंच संचालक अशोक सिंह बेशरम ने कही। उन्होंने कहा कि खासतौर से भोजपुरी लोक संगीत को उन्होंने जिस आयाम तक पहुंचाया वह सहज ही किसी कलाकार के लिए संभव नहीं है। आज जब गीतों के बदलते माडुलेशन और रिमिक्स का दौर चल रहा हो तो ऐसे में नए लोक गायकों को बहुत अधिक ग्लैमर, अर्थअर्जन और भटकाव से दूर अपने रीति–रिवाज,संस्कार के गीतों को संजोने के लिए स्वर कोकिला जैसी महान लोकगायिका से सीख और प्रेरणा लेने की जरूरत है। भले ही आज से वह हमारे बीच नहीं रहीं लेकिन मौसम दर मौसम और पर्व दर पर्व उनके अमर लोकगीतों की धुन,लय,सुर मन मस्तिष्क में गूंजते रहेंगे। प्रबंधक राजू अवस्थी ने उनके कई गीतों के मुखड़े सुनते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने 2 मिनट का मौन रखते हुए स्वर कोकिला की दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और ईश्वर से अपने चरणों में उनकी स्थान देने हेतु प्रार्थना की।इस मौके पर विद्यालय की शिक्षक शिक्षिकाएं और बच्चे मौजूद रहे।

उपचुनाव बाद मुख्यमंत्री योगी का हटना तय–हाजी रफीक

सपा विधायक के दावे ने गरमाया सियासी पारा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश उपचुनाव के बाद यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को हटना तय है, ये दावा सपा मुखिया अखिलेश यादव के विधायक हाजी रफीक अंसारी ने किया है। सपा विधायक के इस बयान के बाद यूपी में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। अखिलेश के ये विधायक चुनाव की तारीख बदलने के फैसले पर भी बीजेपी को घेरने से पीछे नहीं रहे और मुजफ्फरनगर दंगे को लेकर भी बड़ी बात कह डाली।मेरठ की शहर विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के लगातार दूसरी बार विधायक हाजी रफीक अंसारी बीजेपी पर जमकर बरसे। कहने लगे यूपी की नौ विधानसभा सीटों पर हम उपचुनाव जीतेंगे, लेकिन उन्होंने जो दूसरी बात कही वो चर्चा का विषय बन गई।हाजी रफीक अंसारी ने कहा कि बीजेपी चुनाव जीते या हारे योगी का हटना तय है।हम चुनाव जीतेंगे और योगी हटेंगे, जब उनसे ये पूछा गया कि ये बात कहां से पता चली तो कहने लगे उनका का रूख बता रहा है और हवाओं का रूख भी बहुत कुछ कहानी कह रहा है।प्रदेश और देश के सियासी माहौल में सीएम योगी हटाने की चर्चा आम है और चुनाव के नतीजों का इंतजार कीजिए बाकी तस्वीर साफ हो जाएगी।यूपी उपचुनाव की तारीख 13 नवंबर से बढ़कर 20 नवंबर हो गई है। जब सपा विधायक हाजी रफीक अंसारी से सवाल किया गया तो कहने लगे बीजेपी के इशारे पर तारीख बदली गई है। सियासत के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ। बीजेपी हार से डरी हुई है इसलिए तारीख बदलवा दी है ताकि बीजेपी के बड़े नेता जिन विधानसभाओं में उपचुनाव हो रहा है वहां आ सकें और बड़े कार्यक्रम कर सके, लेकिन कोई भी आए और कोई भी जाए कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है।हाजी रफीक अंसारी ने कहा कि सपा गठबंधन चुनाव जीतेगा और जनता ये चुनाव जिताएगी, क्योंकि बीजेपी राज में लूट, हत्या, डकैती, अपहरण हो रहें हैं और लोग सुरक्षित नहीं है, इसलिए यूपी उपचुनाव में बदलाव होगा और सपा गठबंधन चुनाव जीतेगा।यूपी के उर्जा राज्यमंत्री डा. सोमेन्द्र तोमर ने मुजफ्फरनगर दंगों का जिक्र करते हुए पूर्व सांसद कादिर राणा को घेरा था कि उनके कृत्य सभी को पता हैं, इस पर जब सपा विधायक रफीक अंसारी से सवाल किया गया तो पलटवार करते हुए बोले कि मुजफ्फरनगर दंगा बीजेपी ने कराया था सपा ने नहीं। पूर्व सांसद कादिर राणा की पुत्रवधु मीरापुर से मैदान में हैं उनपर पर कोई आरोप हो बताइए। हमारे गठबंधन में जब जयंत चौधरी थे तो गठबंधन जीता था, इस बार भी गठबंधन जीतेगा, क्योंकि जनता को पुराना हिसाब भी बराबर करना है।पता लग जाएगा कौन कितने पानी में है, मीरापुर उपचुनाव इंडिया गठबंधन जीतेगा।मीरापुर विधानसभा उपचुनाव में सपा से सुम्बुल राणा, बसपा से शाह नजर, आजाद समाज पार्टी से जाहिद हुसैन और एआईएमआईएम से अरशद राणा मैदान में, जबकि रालोद ने मिथलेश पाल पर दाव लगाया है। जब मेरठ शहर विधानसभा सीट से सपा विधायक हाजी रफीक अंसारी से सवाल किया गया कि मुस्लिम वोट बंट सकती है और एनडीए को फायदा हो सकता है तो कहने लगे न हम बटेंगे और न कटेंगे एक जुट होकर वोट करेंगे।कहने लगे मुस्लिम नहीं हमें सभी जातियों की वोट मिलेगी।

रामलीला मंच पर कवियों ने बहाई काव्यधारा

नैनी, प्रयागराज। आदर्श रामलीला कमेटी पुरवाखास द्वारा रामलीला मंच पर मंगलवार को राम राज्याभिषेक के बाद एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें कवियों ने भगवान राम को समर्पित अपनी रचनाएं प्रस्तुत किया। देर रात तक चलने वाले कविसम्मेलन की अध्यक्षता कवि बाबू फतेहबहादुर सिंह ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व आईजी छविनाथ सिंह तथा अतिथि के रूप में गजेंद्र प्रताप सिंह मौजूद रहे। लोकगायिका मोहिनी श्रीवास्तव द्वारा भजन गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ वीरेंद्र कुसुमाकर की रचना धरती की पीड़ा हरने को प्रिय राम तुम्हे बन जाना था तथा जगदम्बा प्रसाद शुक्ल की कविता मेरे रघुकुल तिलक प्रभु श्रीराम का आज मंदिर बनाना बड़ी बात है सुनकर श्रोता भावविभोर हो गए। संचालन कर रहे डॉ राजेंद्र शुक्ल की रचना रावण आकर रह जाता है पुतला जल जाता है तथा वेदानंद वेद की कविता मेरे कुल में सब कुछ था बस राम नहीं था ने खूब तालियां बटोरी। इस अवसर पर निखिलेश मालवीय की ओजपूर्ण रचनाओं के बाद अध्यक्षीय काव्यपाठ हुआ। मुख्य अतिथि छविनाथ सिंह ने अपने उद्बोधन में भगवान राम के अनुकरणीय चरित्र पर प्रकाश डाला। कवियों को अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष गंगा सिंह, संतोष तिवारी, जयपाल सिंह, मंजीत सिंह, सुरेश तिवारी, महेंद्र सिंह, अरुण विश्वकर्मा, शम्भू नाथ, गोलू, मनीष, सतीश सिंह, विनोद सिंह, सिमरन बेदी, दिवाकर आदि मौजूद रहे।

चंदन गुप्ता हत्याकांड में न्याय की मांग, धरने पर बैठे पिता

लखनऊ, एजेंसी। कासगंज के चंदन गुप्ता हत्याकांड में न्याय की लड़ाई जारी है। लखनऊ के हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर बुधवार को उसके पिता धरने पर बैठे। पिता का कहना है कि न्याय मिलने में हो रही देरी से परिवार परेशान है। कासगंज में 26 जनवरी 2018 को तिरंगा यात्रा के दौरान चंदन गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तब से उसका परिवार न्याय की आस लगाए बैठा है। पिता सुशील गुप्ता का कहना है कि जब तक उनके बेटे को न्याय नहीं मिल जाता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। हजरतगंज की गांधी प्रतिमा पर उनका यह धरना सरकार से न्याय की गुहार लगाने के लिए है। गुप्ता ने आरोप लगाया है कि तिरंगा यात्रा के दौरान उनके बेटे की गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद सरकार ने परिवार के एक सदस्य को नौकरी समेत अन्य वादे तो किए थे, लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया।

पारिजात

पारिजात से
सिक्त, संपुष्ट
वह तरु ,
आगणित शाखाएं जिसमें और कलियां भी असंख्य ..

खूब खिलती और महकती
खिड़की से बाहर
बगीचे में मेरे
छूकर सांध्य
गमकती भी खूब
अब प्रवात।

करती सुगंधि वयार
को आलिंगन
प्रेम प्रणय बहाती
निशा के प्रहर चार।

बुदबुदाती, फुटती
नयन मटकती
तने में झूमती
नृत्य के ताल।

पाखी भी टटोलते
नीड से बाह्य
मित्तिका फैलाती अस्तित्व
देती जाती
अपनी छाप।

प्रहर संग तारक भी चलते
धीर स्थिर
बालियां लच्छेदार
झूम झूम सौंदर्य बिखेरती
कौमार्य पारिजात।

लहराती चारों तरह 'ले'
शारवी पूजक होती
खुब सुगंध बरसाती
घनघोर तम तले
करता ग्राही प्राप्त।

भोर की आहट से बिछ जाती
टूट –टूट जाती डालियों से
पाकर दिवस पदचाप
प्रतीक्षा तीन प्रहर की
कब आएगी पुनः रात।

डॉ सीमा भट्टाचार्य
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

सम्पादकीय.....

कनाडा में उपद्रव

यूं तो कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों की घटनाएं गाहे–बगाहे सामने आती रहती हैं। जिन्हें लेकर ट्रूडो सरकार मूक दर्शक बनी रहती है। लेकिन ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। अभिव्यक्ति व आस्था की आजादी की डींगें हांकने वाली ट्रूडो सरकार की, ब्रैम्पटन के मंदिर में हुई निंदनीय हिंसा से संवेदनशीलता से निबटने में अयोग्यता ही उजागर हुई है। लगातार खराब होते दोनों देशों के रिश्तों के बीच यह घटनाक्रम जस्टिन ट्रूडो सरकार की छवि पर दाग लगाता है। दरअसल, पिछले साल खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद ट्रूडो सरकार लगातार, भारत के साथ लापरवाही से रिश्ते खराब कर रही है। सतही तौर पर तो ट्रूडो ने ब्रैम्पटन के मंदिर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना की निंदा की है। साथ ही कहा है कि उसके प्रत्येक कनाडाई नागरिक को स्वतंत्र तरीके और सुरक्षित रूप से अपनी आस्था की अभिव्यक्ति व पालन का अधिकार है। लेकिन दूसरी ओर राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये पृथकतावादियों को खुली छूट दी जा रही है। ऐसे में उन्हें भारत विरोधी तत्वों को मनमानी करने देने के लिये स्थिति को स्पष्ट करना होगा। यह आरोप दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा कि कनाडाई पुलिस ने हिंदू भक्तों को निशाना बनाया और खालिस्तान समर्थकों को बचाने की कोशिश की। निश्चित तौर पर ट्रूडो सरकार के इशारे पर यह घटनाक्रम सबसे बुरे दौर में पहुंचे भारत–कनाडा संबंधों के बीच आग में घी डालने जैसा कृत्य है। बहरहाल, यह तय है कि रह–रह कर सामने आ रही यह हिंदू–सिख संबंधों में तल्खी, भारत तथा कनाडा सरकारों के संबंधों में आ रही गिरावट से गहरे तक जुड़ती है। हाल के दिनों में कनाडा सरकार के मंत्रियों ने मर्यादा की सीमाएं लांघते हुए अनेक आक्षेप किये हैं। यहां तक कि कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने भारतीय गृह मंत्री पर आरोप लगाये कि उन्होंने कनाडा में भारत विरोधी अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये हिंसा व खुफिया जानकारी जुटाने के आदेश दिए। जैसा कि स्वाभाविक ही था इस तरह के आरोप–प्रत्यारोप का भारत सरकार ने भी कड़ा प्रतिवाद किया है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। नई दिल्ली ने इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताकर नकार दिया है। आरोप है कि कनाडा सरकार खालिस्तान समर्थक कनाडाई नागरिकों को भारत सरकार के खिलाफ लड़ने के लिये उकसा रही है। इसके संरक्षण व उकसावे के चलते उनके भारत विरोधी प्रदर्शनों ने उन्हें भारतीय मूल के उन कनाडाई नागरिकों के साथ टकराव की राह पर ला खड़ा किया है, जो अपनी आस्तीन पर तिरंगा पहनते हैं। यह विडंबना ही है कि जो कनाडा गर्व के साथ अपने देश को अवसरों की शांतिप्रिय भूमि कहते हुए नहीं थकता है, उसे सांप्रदायिक सद्भाव और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा पैदा करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्ती से निबटने की जरूरत है। वास्तव में उपद्रव करने वाले तत्वों पर समय रहते नकेल कसने की जरूरत है, चाहे वे किसी भी समुदाय के हों। निश्चित रूप से जस्टिन ट्रूडो सरकार को वहां सक्रिय अलगाववादियों को भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिये कनाडाई क्षेत्र के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देनी चाहिए। निश्चित रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ट्रूडो सरकार द्वारा उपद्रवियों को संरक्षण देना उसकी राजनयिक और लोकतांत्रिक साख को कमजोर करने वाला कदम ही है। यह विडंबना ही है कि कानून का पालन करने वाले प्रवासी भारतीय सदस्यों की सुरक्षा और संरक्षा दांव पर है। दरअसल, अल्पमत में आई ट्रूडो सरकार राजनीतिक स्वार्थों के लिये निचले स्तर का खेल खेल रही है। वह चाह रही है कि अगले साल होने वाले आम चुनाव में फिर सरकार बना पाए। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, भारत–कनाडा संबंधों को बचाने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे भारत–कनाडा संबंधों को सामान्य बनाने के लिये यह अपरिहार्य शर्त भी है।

जीवन-संघर्ष से पलायन, अकर्मण्यता की परिणीति

संजीव ठाकुर

यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंस सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं।

अकर्मण्यता शारीरिक, मानसिक व्याधि और दशा है जो जीवन को निरर्थक बनाती है। इस अवस्था को तत्काल त्यागना चाहिए,और अपने जीवन के संघर्ष के लिए तैयार रखना चाहिए। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सकेस कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता हैस निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैस जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता हैस बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंस सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए स यदि व्यक्ति की आकांक्षा, सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैस जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता हैस यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है,मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंस सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएसइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है, और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है, भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैसऋषि–मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

न्यायपालिका और हिन्दुत्व वर्चस्ववादी परियोजना

सुभाष गाताडे

दुनिया में जनतंत्र पर मंडराते खतरों की तरफ हाल के समय में बार बार लिखा गया है। जानकारों ने इस बात को साफ किया है कि किस तरह जनतंत्र का कवच साबित होने वाली उसकी संस्थाओं को अंदर से कमजोर करके , कार्यपालिका, विधायिका या न्यायपालिका को अंदर से खोखला करके या इन सुरक्षा कवच का अपहरण करके भी इसे बखूबी अंजाम दिया जा सकता है। भारत में जहां हम कार्यपालिका का, अर्थात उसकी विभिन्न संस्थाओं को प्रभावहीन बनाने या उन्हें सत्ताधारी पार्टियों के मातहत करने की परिघटना को बारीकी से देख रहे हैं, मगर अभी तक न्यायपालिका में आ रहे बदलावों की तरफ हमारी निगाहें कम गई हैं। गौरतलब है कि भारत में ऐसे बहुत कम कानून के विद्वान हैं या वकील हैं जिन्होंने भारत की न्यायपालिका के गति विज्ञान को बारीकी से देखा है और उसके रास्ते हमारे सामने रफ्ता–रफ्ता नमूदार हो रहे खतरों की तरफ इशारा किया है। जनाब डा मोहन गोपाल, का नाम ऐसे लोगों में शुमार हैं। कानून के यह आलिम और प्रैक्टिशनर हिन्दुत्व वर्चस्ववादी ताकतों के नजरिये के बारे में और उनकी रणनीतियों के बारे में बारीक समझ रखते हैं और संविधान के हिसाब से एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, समाजवादी और संप्रभु भारत को हिन्दु राष्ट्र में तब्दील करने के उनके इरादों के बारे में बताते हैं कि श्वह संविधान को उखाड़ फेंक कर नहीं बल्कि सर्वोच्च अदालत द्वारा उसकी एक हिन्दू दस्तावेज के रूप में व्याख्या करकेश अमल में लाना चाहते हैं। कुछ वक्फा पहले श्लाईव लॉश द्वारा आयोजित एक प्रोग्राम में बोलते हुए उन्होंने उसके गतिविज्ञान को साफ किया था। उनके हिसाब से पहला कदम है : ऐसे न्यायाधीशों को अदालतों में– खासकर उच्चतम अदालतों में – तैनात करना जो अपने फैसलों के लिए संविधान से परे जाने के लिए तैयार हों, अर्थात जो लोग संविधान प्रदत्त प्रक्रियाओं के बजाय जनता की भावना या उसके एक हिस्से की आस्था की दुहाई देने के लिए भी तैयार हों य और दूसरा कदम हैरू अगर उच्चतम अदालतों में ऐसे न्यायाधीशों की तादाद बढ़ने लगती है जो धर्मशास्त्रीय हो अर्थात जो संविधान के बजाय धर्मशास्त्र में कानून का स्त्रोत ढूंढते हों, तो फिर बेहद आसान हो जाएगा कि भारत को हिन्दू धर्मतंत्र घोषित करना, उसी संविधान के तहत। अपने इस व्याख्यान में उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार और बाद में भाजपा की अगुवाई में विगत एक दशक से केंद्र में सत्ता की बागडोर संभालने के दौरान उच्च अदालतों में हुई नियुक्तियों का भी विवरण दिया था और इस बात को साफ किया था कि किस तरह न्यायपालिका में ऐसे न्यायाधीशों की अधिक नियुक्ति हो रही है, जो फैसला देते हुए संविधान से परे देखने के लिए भी तैयार हों। उनके हिसाब से सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हिजाब मसले पर दिया हुआ बंटा हुआ फैसला इस दिशा में एक अहम मुकाम कहा जा सकता है। वैसे कानून के इस अग्रणी विद्वान को–डा मोहन गोपाल को – इस बात का कतई पूर्वाभास नहीं रहा होगा कि न्यायपालिका के इतिहास में एक दिन ऐसा भी आएगा कि खुद भारत के सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश सार्वजनिक तौर पर इस बात का ऐलान करेगा कि अहम कानूनी फैसलों में कम से कम वह संविधान से कम बल्कि अपनी व्यक्तिगत आस्था या उनके अपने देवता की श्सलाहश पर निर्भर रहते हैं। ध्यान रहे यह बात उन्होंने अपने पूरे होशोहवास में अपने पुश्तैनी गांव में एक जनसभा में कही। दरअसल मुख्य न्यायाधीश की इस स्वीकारोक्ति का एक दिलचस्प साईड इफेक्ट साफ दिख रहा है। वह है बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर सामने आए विवादास्पद फैसले के अब तक श्अज्ञातश रहे पहलू का। मालूम हो तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के तहत बनी पांच सदस्यीय पीठ ने इस फैसले दौरान कुछ बातें बिल्कुल साफ की थी कि वर्ष 1948 में तत्कालीन बाबरी मस्जिद में दक्षिणपंथी तत्वों द्वारा चोरी से राम की मूर्तियां स्थापित करने का काम श्गैरकानूनीश था तथा 1992 में जब बाबरी मस्जिद के विध्वंस को अंजाम दिया गया तो वह श्खुल्लमखुल्ला कानून केराज का उल्लंघनश्श था। यह अलग बात है कि आला अदालत ने उन्हीं उल्लंघनकर्ताओं को उसी विवादास्पद स्थान पर मंदिर बनाने का जिम्मा सौंपा था। याद रहे भले ही पांच सदस्यीय पीठ ने इस फैसले को अंजाम दिया हो, मगर इस पर किसी के दस्तखत नहीं थे। शायद आजाद हिन्दोस्तां का यह पहला मुकदमा रहा होगा, जहां औपचारिक तौर पर उसका कोई एक ऑथर अर्थात प्रदत्त करने वाला नहीं है। अब तक इसकी कोई वजह साफ नहीं थी कि पांच गणमान्यों में से किसी ने भी इस पर अपने दस्तखत क्यों नहीं किए, यह कहा जा सकता है कि जिस तरह वेदों को अपौरूषेय अर्थात ईश्वर द्वारा निर्मित कहा जाता है तो शायद भविष्य की पीढ़ियां भी इस मसले पर यही कहें। कहा जाता है कि एक सच्चा धार्मिक व्यक्ति, अपने ईश्वर,खुदा के साथ अपने संवाद को, अपनी प्रार्थना को बेहद निजी मामला बनाए रखना चाहता है ताकि उसमें कोई विघ्न न आए। यह अलग बात है कि मुख्य न्यायाधीश जनाब चंद्रचूड़ द्वारा जिस तरह प्रधानमंत्री को पूजा के लिए आमंत्रित किया गया और फिर इस निजी आयोजन को पूरी तरह सार्वजनिक किया गया, सरकार से सम्बद्ध गोदी चौनलों ने उसका पूरा प्रसारण करने दिया गया, इसका अर्थ यही निकलता है कि प्रधानमंत्री मोदी और निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश में भी एक अन्य समानता है। दोनों अपने इस निजी प्रसंगों का सार्वजनिक प्रदर्शन करने में कोई गुरेज नहीं होता बल्कि दोनों इसे चाहते हैं। अभी ज्यादा महीना नहीं बीता जब मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर को भेंट दी थी, जहां वह हल्का केसरिया वस्त्र भी पहने दिख रहे थे। मंदिर की यात्रा छिपी रह जाती, अगर उसके बाद उन्होंने राजकोट में अदालत की नयी इमारत के उद्घाटन के अवसर पर कुछ विवादास्पद बातें नहीं कही होती। संविधान की कसम खाकर मुख्य न्यायाधीश बने जनाब चंद्रचूड़ ने उद्घाटन के अवसर पर कहा कि किस तरह वह द्वारकाधीश मंदिर के ध्वज से प्रेरित हुए थे – जो जगन्नाथ पुरी में लगे ध्वज की तरह ही था और किस तरह यह ध्वज श्हमारे राष्ट्र की सार्वभौमिकता की परम्परा की नुमाइन्दगी करते हैं, जिसने हमें एक साथ जोड़े रखा है। वैसे यह आकलन करने के लिए अधिक विवेक की जरूरत नहीं है कि भारत जैसे एक धर्मनिरपेक्ष मुल्क में – जिसने स्वाधीनता हासिल करने के बाद से ही सर्व धर्म समभाव की नीति अपनायी है, धर्म के आधार पर, सम्प्रदाय के आधार पर किसी के साथ भेदभाव करने का संकल्प लिया है – जहां तिरंगा एकमात्र ऐसा ध्वज समझा जाता है जो हम सभी को जोड़े रखता है, वहां एक संवैधानिक ॲथॉरिटी द्वारा खास धर्म के ध्वज की हिमायत करना, निश्चित ही उसकी मर्यादा का उल्लंघन कहा जा सकता है। जनाब चंद्रचूड़ के बारे में यह कहा जाता है कि अपने सार्वजनिक व्याख्यानों में वह न केवल अद्भुत वक्ता के तौर पर दिखते हैं बल्कि वहां पर वह हमेशा ही संविधान के सिद्धांतों एवं मूल्यों की हिफाजत करने पर जोर दते हैं, मातहत अदालतों द्वारा अभियुक्तों को जमानत दिए जाने के मामले में विलंब करने पर उन्होंने एक तरह से उनकी आलोचना भी की है कि उन्हें श्जमानत की नियम है, अपवाद नहींश इस समझदारी पर चलना होगा। यह अलग बात है कि उनके इस कार्यकाल में ही उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों के कई अभियुक्त – चार साल से जेल में ही बिना जमानत के सड़ रहे हैं। यह एक ऐसा मसला है कि जिसकी ओर दुनिया की निगाह गयी है। अब जनाब चंद्रचूड़ का कार्यकाल समाप्ति की ओर है और अखबारी रिपोर्टों के मुताबिक वह इस बात के प्रति बेचौन हैं कि इतिहास उन्हें कैसे याद रखेगा।

स्वास्थ्य सेवा पर राजनीति का घिनौना चेहरा और आयुष्मान भारत की हकीकत

डॉ. ज्ञान पाठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना का विस्तार करते हुए दिल्ली और पश्चिम बंगाल की आलोचना की और चिंता जताई कि इन दोनों राज्यों में वरिष्ठ नागरिक विस्तारित योजना के तहत मुफ्त इलाज का लाभ नहीं उठा पायेंगे क्योंकि ये राज्य इस योजना में शामिल नहीं हैं। राजनीतिक रूप से कहें तो दिल्ली आप का किला है और पश्चिम बंगाल टीएमसी का, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा एक दशक से पैठ बनाने की असफल कोशिश कर रही है। दोनों राज्यों में स्वास्थ्य सेवा एक राजनीतिक मुद्दा रहा है। चूंकि दिल्ली में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, इसलिए आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को आयुष्मान भारत योजना को लागू न करने के लिए दिल्ली सरकार की पीएम मोदी द्वारा आलोचना पर पलटवार करना पड़ा। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि आप सरकार सभी शहरवासियों को 1 करोड़ रुपये तक का मुफ्त इलाज मुहैया कराती है, जबकि केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा केवल 5 लाख रुपये का है। उन्होंने भारत के महालेखानियंत्रक और परीक्षक(कैग) की 2023 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना घोटाले से भरी हुई है। कैग की रिपोर्ट में आखिर क्या पाया गया है? हमें आयुष्मान भारत – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पर उस रिपोर्ट को फिर से देखना चाहिए। इस योजना का उद्देश्य सामाजिक–आर्थिक जाति जनगणना, 2011 के तहत अभाव और पेशेवर मानदंडों के आधार पर आबादी के गरीब और कमजोर वर्ग के 10.74 करोड़ से ज़्यादा परिवारों को द्वितीयक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है। इसका उद्देश्य आबादी के गरीब और कमजोर वर्ग के लिए सामर्थ्य, पहुंच और देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना है। कैग ने इसके कार्यान्वयन में अनेक खामियां पाईं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के रिकॉर्ड के अनुसार केवल 7.87 करोड़ लाभार्थी परिवार पंजीकृत थे, जो लक्षित परिवारों की संख्या 10.74 करोड़ (नवंबर 2022) का 73 प्रतिशत है। इसमें से 2.08 करोड़ परिवारों की पहचान 2011के रिकार्ड से की गयी थी, जैसा कि योजना दिशानिर्देशों में परिकल्पित है।जब इस निराशाजनक रिकॉर्ड की ओर ध्यान दिलाया गया, तो एनएचए ने जवाब दिया था कि भारत सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के आंकड़ों के आधार पर 12 करोड़ परिवारों को कवर करने के लिए लाभार्थी आधार के विस्तार को मंजूरी दे दी है(जनवरी 2022)। जवाब कुछ और मांगा, पर उत्तर दिया कुछ और। सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि लाभार्थी पंजीकरण की ऑनलाइन प्रणाली, लाभार्थी के दस्तावेजों को पात्र लाभार्थियों की 2011 की सूची के साथ मिलान करने के आधार पर जो मिलान विश्वास स्कोर उत्पन्न करती है, वह अप्रभावी हो गया है क्योंकि पंजीकरण के लिए आवेदनों को मिलान विश्वास स्कोर के बावजूद स्वीकृत या अस्वीकार कर दिया गया था। डेटा विश्लेषण से पता चला कि किसी व्यक्ति के पंजीकरण की स्वीकृतिध्अस्वीकृति प्रक्रिया के दौरान मिलान विश्वास स्कोर लागू नहीं किया गया था। पर्याप्त सत्यापन नियंत्रणों के अभाव में, लाभार्थी डेटाबेस में त्रुटियां देखी गयीं, जैसे अमान्य नाम, अवास्तविक जन्मतिथि, डुप्लिकेटपीएम जेएवाई आईडी, एक घर में परिवार के सदस्यों की अवास्तविक संख्या आदि। 36 मामलों में, 18 आधार संख्याओं के विरुद्ध दो पंजीकरण किये गये और तमिलनाडु में, सात आधार संख्याओं के विरुद्ध 4761 पंजीकरण किये गये। लाभार्थी पहचान प्रणाली (बीआईएस) में 11 से लेकर 7,49,820 लाभार्थियों तक एक ही या अमान्य मोबाइल नंबर के विरुद्ध कई लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया। जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में, 2018 से 2021 की अवधि के दौरान, एसईसीसी डेटा की सफाई के बाद एसएचए द्वारा क्रमशरू 16865 और 335 अपात्र लाभार्थियों की पहचान की गयी। छह राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में, अपात्र परिवार पीएमजेएवाई लाभार्थियों के रूप में पंजीकृत पाये गये और उन्होंने योजना का लाभ उठाया था। इन अयोग्य लाभार्थियों पर चंडीगढ़ में 0.12 लाख रुपये से लेकर तमिलनाडु में ?22.44 करोड़ तक का खर्च आया। नौ राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेशों में अस्वीकृति मामलों के प्रसंस्करण में देरी हुई। देरी एक से 404 दिनों तक की थी। सात राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सेल का गठन किया गया। 12 राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में आईईसी सेल का गठन किया गया। शेष राज्यों में कोई सूचना उपलब्ध नहीं थी। केवल चार राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मणिपुर और राजस्थान में ही आईईसी योजना तैयार की गयी थी। महाराष्ट्र में, हालांकि योजना 2020–21 में तैयार की गयी थी, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया।14 राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में, आईईसी गतिविधियों पर व्यय निर्धारित बेंचमार्क 25 प्रतिशत के मुकाबले आवंटित बजट का 0 से 20.24 प्रतिशत तक था। कई राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में बुनियादी ढांचे, उपकरण, डॉक्टर आदि की कमी थी। उपलब्ध उपकरण गैर–कार्यात्मक पाये गये। कुछ सूचीबद्ध स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं (ईएचसीपी) ने न तो सहायता प्रणाली और बुनियादी ढांचे के न्यूनतम मानदंडों को पूरा किया और न ही दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित गुणवत्ता मानकों और मानदंडों के अनुरूप थे। कई राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में, बुनियादी ढांचे, अग्नि सुरक्षा उपायों, जैव–चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण और अस्पताल पंजीकरण प्रमाण पत्र से संबंधित अस्पतालों के पैनल के लिए अनिवार्य अनुपालन मानदंडों का पूरी तरह से पालन नहीं किया गया। कुछ ईएचसीपीमें, पीएसजेएवाईके तहत पैनल में शामिल होने से पहले अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समाप्त हो गये थे। कुछ ईएचसीपी निर्धारित गुणवत्ता मानकों और मानदंडों के अनुरूप नहीं थे, जो देखभाल में लाभार्थियों की सुरक्षा और भलाई के लिए महत्वपूर्ण थे और पैनल में शामिल होने के लिए अनिवार्य न्यूनतम शर्तें थीं। राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों में प्रति लाख लाभार्थियों पर पैनलबद्ध स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं (ईएचसीपी) की उपलब्धता बहुत कम है, असम (3.4), दादरा नगर हवेली–दमन दीव (3.6), महाराष्ट्र (3), राजस्थान (3.8) और उत्तर प्रदेश (5), आदि। इसके अलावा, प्रति एक लाख लाभार्थियों पर ईएचसीपी की उपलब्धता बिहार में 1.8ईएचसीपी से लेकर गोवा में 26.6ईएचसीपी तक थी। मणिपुर (17), त्रिपुरा (103) और उत्तराखंड (43) में 163ईएचसीपी में पैनल में शामिल होने से पहले जिला पैनल समिति (डीईसी) द्वारा भौतिक सत्यापन नहीं किया गया था। झारखंड में, दो निजी ईएचसीपीपीएमजेएवाई के तहत तीन विशेष सुविधाएं प्रदान नहीं कर रहे थे, जो अन्यथा आम जनता के लिए उपलब्ध थीं। असम में, 13ईएचसीपीपीएमजेएवाई लाभार्थियों को उपलब्ध सुविधाओं का 4 से 80 प्रतिशत प्रदान कर रहे थे।

भूल भुलैया 3 स्टार माधुरी दीक्षित ने बताया सफल शादी का राज

> माधुरी ने बताया, एक शादी में बहुत सी चीजें होती है। यह कुछ लेने और देने जैसा है। आपको यह समझना होगा कि आप दो इंसान एक ही छत के नीचे रहते हैं, इसलिए नेगेटिव और पॉजिटिव दोनों ही तरह की बातें होगी, मगर आपको सिर्फ इसे समझने की जरूरत है।

बॉलीवुड स्टार माधुरी दीक्षित नेने की शादी को 25 साल हो गए हैं। अभिनेत्री ने एक सफल शादी को लेकर अपने विचार शेयर किए हैं। उन्होंने माना कि एक खुशहाल और सफल पार्टनरशिप आसान नहीं है। डांसिंग दिवा ने अक्टूबर 1999 में लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया के कार्डियोवैस्कुलर सर्जन श्रीराम नेने से शादी की थी। यह शादी अभिनेत्री के बड़े भाई के दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित आवास पर हुई थी। इस जोड़े ने 2003 में अपने पहले बेटे एरिन का स्वागत किया और 2005 में उनके घर दूसरे बेटे रयान का जन्म हुआ। माधुरी ने बताया, एक शादी में बहुत सी चीजें होती है। यह कुछ लेने और देने जैसा है। आपको यह समझना होगा कि आप दो इंसान एक ही छत के नीचे रहते हैं, इसलिए नेगेटिव और पॉजिटिव दोनों ही तरह की बातें होगी, मगर आपको सिर्फ इसे समझने की जरूरत है। कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और तृप्ति डिमरी के साथ हाल ही में रिलीज फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आईं अभिनेत्री ने कहा कि शादी को सफल बनाने के लिए हर दिन काम करना पड़ता है।

उन्होंने कहा, यह आसान–वासान नहीं है। आपको हर दिन इस पर काम करना पड़ता है और यह एक साझेदारी है। एक–दूसरे को सम्मान देना चाहिए। एक–दूसरे के लिए प्यार होना चाहिए। एक–दूसरे के लिए स्पेस भी होना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ये सभी चीजें मिलकर शादी को सफल बनाती हैं। 57 वर्षीय अभिनेत्री लगभग चार दशक से इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने 1984 में अबोध ा से अपने करियर की शुरुआत की थी। उसके बाद 70 से अधिक फिल्मों में नजर आईं। सिनेमा में अपने सफर में माध ुरी को उनके अभिनय और नृत्य कौशल के लिए सराहा गया है। उन्हें 2008 में पद्म श्री सहित कई सम्मान मिले। यह पूछे जाने पर क्या उन्हें कभी खुद पर संदेह हुआ, माध ुरी ने कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं, क्योंकि मैं हमेशा अपनी अंतरात्मा की आवाज पर चलती हूं और जब मैंने भूल भुलैया 3 की स्क्रिप्ट सुनी, तो मुझे लगा कि मुझे इसका हिस्सा जरूर बनना चहिए। साथ ही मुझे लगा कि इसने मुझे स्क्रीन पर कुछ अलग करने का मौका दिया है। लोगों ने मुझे इस अवतार में कभी नहीं देखा है। मुझे लगता है कि यह मेरे व्यक्तित्व में एक नया आयाम जोड़ने वाला है।

सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 में कांटे की टक्कर, जानें कितना रहा दोनों फिल्मों का कलेक्शन

दिवाली के मौके पर दो बड़ी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला हुआ। एक थी भूल भुलैया 3 और दूसरी थी शसिंघम अगेनश। एक फिल्म थी एक्शन से भरपूर, तो दूसरी थी हॉरर कॉमेडी। दोनों ही फिल्मों के निर्देशक बड़े नाम वाले हैं, एक तरफ रोहित शेट्टी और दूसरी तरफ अनीस बज्मी। दोनों फिल्में बड़ी हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं, लेकिन चौथे दिन तक दोनों फिल्मों की कमाई में 45: से अधि ाक की गिरावट देखने को मिली। आइए, जानते हैं इन दोनों फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में, साथ ही उनके बजट और कुल कमाई का पूरा गणित। पहले दिन से लेकर चौथे दिन तक सिंघम अगेन की कमाई में गिरावट आई। सोमवार (चौथे दिन) को फिल्म का कलेक्शन 49.65: तक गिर गया। सिंघम अगेन ने सोमवार को 18 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जबकि रविवार को यह फिल्म 35.75 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी थी। इसका मतलब है कि वीकेंड के मुकाबले वीकडे में फिल्म की कमाई में काफी कमी आई।वहीं, भूल भुलैया 3 ने सोमवार को 18 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो सिंघम अगेन के कलेक्शन के बराबर था। इसका मतलब यह हुआ कि कार्तिक आर्यन, विद्या बालन और तृप्ति डिमरी की फिल्म ने अजय देवगन की फिल्म से मुकाबला बराबर कर लिया। चार दिनों में सिंघम अगेन ने भारत में 139.75 करोड़ रुपये की नेट कमाई की है। वर्ल्डवाइड इसने 200 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। हालांकि, फिल्म का बजट काफी बड़ा है, जो लगभग 300–350 करोड़ रुपये के आसपास बताया जा रहा है। इसका मतलब यह कि फिल्म को अपने मेकिंग बजट को कवर करने के लिए 350 करोड़ से ज्यादा की कमाई करनी होगी। इसमें अजय देवगन, करीना कपूर, जैकी श्रॉफ, रवि किशन के अलावा अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और दीपिका पादुकोण ने स्पेशल रोल निभाए हैं। भूल भुलैया 3 ने चार दिनों में भारत में 124 करोड़ रुपये की नेट कमाई की है। वर्ल्डवाइड कलेक्शन 187 करोड़ रुपये के आसपास है। यह फिल्म अपने बजट के हिसाब से काफी सफल साबित हो रही है। फिल्म का बजट लगभग 150 करोड़ रुपये बताया जा रहा है, जो सिंघम अगेन के बजट से आधा है। इस हिसाब से फिल्म जल्द ही ब्लॉकबस्टर बन सकती है। हालांकि दोनों ही फिल्मों की कमाई में चौथे दिन गिरावट आई है, लेकिन भूल भुलैया 3 ने अपने छोटे बजट के कारण अच्छा प्रदर्शन किया है और जल्द ही ब्लॉकबस्टर बनने की राह पर है। दूसरी ओर, सिंघम अगेन को अपनी लागत वसूल करने के लिए अभी काफी मेहनत करनी होगी, क्योंकि इसका बजट काफी बड़ा है। इस प्रकार, दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अपना प्रभाव छोड़ रही हैं, लेकिन इनकी सफलता या असफलता का बड़ा कारण इनके बजट और कलेक्शन के हिसाब से ही तय होगा।

शादी के 10 साल, प्रपोजल के 15 साल और बेटे के बर्थडे पर अमृता राव ने पति संग रखी पार्टी, गौतम–पंखुड़ी और आशा भोसले ने जमाई महफिल

अमृता राव और आरजे अनमोल फैंस के फेवरेट कपल्स में से एक हैं। कपल ने 15 मई 2016 को शादी रचाई थी। इससे पहले दोनों ने 9 साल पहले पुणे के कटराज स्थित एक इस्कॉन मंदिर में गुपचुप तरीके से शादी की थी। वहीं, अब प्यार से रहते इस कपल को पूरे 10 साल हो गए हैं। हाल ही में उन्होंने अपने बेटे और करीबियों के साथ वेडिंग एनिवर्सरी सेलिब्रेट की, जिसकी तस्वीरें अमृता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। अमृता राव ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कर कैप्शन में लिखा– 024 – ऐतिहासिक घटनाओं और उत्सवों का साल, जिसके लिए पार्टी की आवश्यकता थी। इस साल हमारे रुविवाह के 10 साल पूरे हो रहे हैं। हमारे प्रपोजल के 15 साल पूरे हो रहे हैं, जो आज 5 नवंबर को हुआ था। वीर का जन्मदिन 1 नवंबर को है..और दिवाली तो है ही। हमें अपने करीबी और प्रियजनों के साथ शानदार तरीके से जश्न मनाना था, जिन्होंने अपनी मौजूदगी से इसे इतना खास बना दिया। उन्होंने आगे लिखा– सबसे खास बात यह थी कि हमें उस लीजेंड से आशीर्वाद मिला, जिसके प्रति हम बड़े हुए हैं। लीजेंड, 91 साल की एकमात्र रॉकस्टार आशा भोसले जी, जिन्होंने अपनी दिव्य मौजूदगी से पूरी महफिल को मंत्रमुग्ध कर दिया। अमृता और आरजे अनमोल के इस डबल सेलिब्रेशन में उनके परिवार के अलावा टीवी कपल गौतम रोड़े–पंखुड़ी अवस्थी और आशा भोसले भी शामिल हुईं। सभी कपल के सेलिब्रेशन को खूब एंजॉय करते नजर आए।

विरुष्का के लाडले की पहली झलक, गोद में अकाय तो बाहों में उलट पुलट रही हैं वामिका,विराट के बर्थडे पर अनुष्का ने शेयर की प्यारी सी तस्वीर

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा इसी साल दूसरी बार मां बनी हैं। अनुष्का ने प्यारे से बेटे को जन्म दिया। बेटी वामिका की तरह ही अनुष्का अकाय को भी लाइमलाइट से दूर रखती हैं। अनुष्का ने वामिका की तो कई तस्वीरें शेयर की हैं लेकिन अकाय की झलक तक फैंस को नहीं दिखाई है। ऐसे में फैंस विरुष्का के लाडले की झलक का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं अब फैंस का ये इंतजार खत्म हो गया है। अनुष्का ने अकाय के जन्म के लगभग 8 महीने बाद उसकी पहली झलक दिखा दी है। मौका था विराट कोहली के बर्थडे का। अनुष्का शर्मा ने हसबैंड विराट कोहली को बर्थडे विश करते हुए अपने फैंस को शानदार ट्रीट दे दिया है। अनुष्का ने पहली बार बेटे की झलक फैंस को दिखाई है। उन्होंने एक बेहद प्यारी सी तस्वीर शेयर की है जिसमें विराट कोहली एक साइड बेटे को और दूसरे हाथ में बेटी को लिए खड़े नजर आ रहे हैं। हालांकि इस तस्वीर में अकाय और वामिका दोनों के चेहरे पर हार्ट वाली इमोजी लगाई है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि विराट ने अकाय को बेबी केरियर के सहारे पकड़ा है। वहीं वामिका को दूसरे हाथ से होल्ड किया है। दोनों बच्चों को बाहों में लिए विराट प्राउड फादर की तरह मुस्कुरा रहे हैं। अनुष्का ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में केवल हार्ट इमोजी और एविल आई का आइकन शेयर किया है, जो बिना कुछ कहे भी सबकुछ बयां करती है। बता दें कि अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने शादी 11 दिसंबर 2017 को शादी रचाई थी। दोनों की शादी से पहले किसी को कोई भनक भी नहीं मिली और सीधे इटली के टस्कनी में हुई इस वेडिंग की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर आ गईं। इस शादी में केवल उनके परिवार और रिश्तेदार और बेहद करीबी फ्रेंड्स शामिल रहे थे। अनुष्का ने 11 जनवरी, 2021 को बेटी को जन्म दिया जिसका नाम उन्होंने वामिका रखा है। वहीं बेटी के जन्म के 2 साल बाद अनुष्का दूसरी बार मां बनीं। अनुष्का ने 15 फरवरी, 2024 लंदन में बेटे अकाय को जन्म दिया।

कृति सेनन के साथ शादी की अफवाहों के बीच कार्तिक आर्यन ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस का खुलासा किया

भूल भुलैया 3 स्टार कार्तिक आर्यन अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं और प्रशंसकों को रूह बाबा का किरदार बेहद पसंद आ रहा है। खैर, बॉलीवुड के हैंडसम हंक ने अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर मीडिया की नजरों में जगह बनाई है, जब उनकी को–स्टार विद्या बालन ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो में उनका मजाक उड़ाया था। लेकिन, कार्तिक ने आखिरकार द मैशेबल इंडिया के साथ एक इंटरव्यू के दौरान अपने रिलेशनशिप स्टेटस का खुलासा किया है। अभिनेता ने कहा कि वह सिंगल हैं और चंदू चौंपियन के बाद से उनके पास डेट करने के लिए बिल्कुल भी समय नहीं है। उन्होंने अपने कामकाजी शेड्यूल को भी व्यस्त बताया और कहा कि वह मुश्किल से ही किसी और चीज के लिए समय निकाल पाते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं सिंगल हूं। मुझे किसी को भी अपनी लाइव लोकेशन भेजने की जरूरत नहीं है। मैं किसी डेटिंग ऐप पर भी मौजूद नहीं हूं। तकनीकी तौर पर, जब से मैं चंदू चौंपियन की तैयारी और शूटिंग कर रहा हूं, तब से मुझे समय ही नहीं मिला।' उन्होंने आगे कहा कि, मैं बहुत सख्त दिनचर्या में था, जिसमें मुझे एथलीट की तरह ही अपने जिम, खाने और सोने के तरीके का हिसाब रखना पड़ता था। यह सब दो साल तक चलता रहा। वास्तव में, मैं पहली बार तैराकी भी सीख रहा था। दिनचर्या बहुत व्यस्त हो गई थी। साथ ही, भूल भुलैया 3 की शूटिंग करना और उसे एक निश्चित समय में खत्म करना भी एक चुनौती थी। इसलिए, मैं पूरी तरह से उस सब में व्यस्त था। खैर, भूल भुलैया 3 की पूरी कास्ट और क्रू नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में आई थी। अपनी मजेदार बातचीत के दौरान विद्या ने कहा, शूटिंग के दौरान, वह हमेशा शॉट्स के बीच अपने फोन पर रहता था। मैं उसके बगल में खड़ी रहती थी, उम्मीद करती थी कि कोई संकेत मिल जाए, लेकिन मैं बस इतना सुन पाती थी कि वह 'मी टू, मी टू' कह रहा था। तो मुझे कुछ पता नहीं था! और फिर उसे चिढ़ाते हुए पूछा उसका नाम क्या है? भूल भुलैया 3 का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया है और इसमें त्रिपती डिमरी, माधुरी दीक्षित, राजपाल यादव, श्वेता तिवारी और विजय राज मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 123.5 करोड़ रुपये की कमाई की है।

परिवार संग घूमने का बना रहे हैं प्लान, तो भारत की सबसे बेहतरीन इन 5 जगहों पर फैमिली के साथ जाएं, मजेदार रहेगी ट्रिप

फैमिली के साथ घूमने–फिरने का अपना अलग ही मजा होता है। आप भी परिवार के साथ घूमने–फिरने की प्लानिंग कर रहे हैं। आइए आपको बताते हैं फैमिली हॉलिडे के लिए 5 बेस्ट जगहें।

अगर आप भी बिजी लाइफस्टाइल से तंग आ चुके हैं और चाहते हैं सुकून भारी जिंदगी तो घूमने से अच्छा क्या हो सकता है। यदि आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आप भारत की इन शानदार जगहों पर जरुर जाएं। इस आर्टिकल में हम आपके लिए भारत की बेस्ट जगहों को एक्सप्लोर करें।

गिर, गुजरात

फैमिली के साथ गिर गुजरात घूमना एक शानदार जगह है। कभी जूनागढ़ के नवाब की निजी शिकारगाह हुआ करती थी। यहां पर आपको शक्तिशाली एशियाई शेर गिर राष्ट्रीय उद्धान में देखने को मिलेगा। इसके अलावा विदेशी जानवर और पक्षी जैसे भारतीय तेंदुआ, सुनहरा सियार, धारीदार लकड़बग्घा, ब्लैकबक, चिंकारा और बोनेली ईगल और अजगर भी देखने को मिल सकता है।

उदयपुर, राजस्थान

यदि आप राजस्थान के ऐतिहासिक शहर उदयपुर में घूमना चाहते हैं। सिटी पैलेस, सज्जनगढ़ मानसून पैलेस और जगमंदिर जैसी जगहों पर जाएं। अगर आपके परिवार के सदस्य फोटोग्राफी के शौकीन हैं तो इस जगह पर जा सकते हैं।

गोवा

इस महीने में गोवा घूमने का सबसे बेस्ट जगह है। परिवार के साथ यहां पर घूमने के लिए कई जगहें हैं। शाम के समय ढलते सूरज और सुबह के समय उगते सूरज को देखना सबसे मनोहर दृश्य देखने को मिलता है।

जम्मू और कश्मीर

जम्मू और कश्मीर को स्विट्जरलैंड ऑफ इंडिया के नाम से जाना जाता है। यहां आप बर्फबारी या फिर बर्फ से ढके पहाड़ पसंद हैं तो इस जगह पर जाकर मन को काफी शांति मिलेगी। यहां पर आप एक्टिविटीज का मजा ले सकते हैं।

शिलांग, मेघालय

नॉर्थ ईस्ट में काफी सुंदर जगहें है। शिलांग भी एक बेहद खूबसूरत जगहों में से एक है। घाटियों, नदी, जंगल, झील, झरने शहर की सुंदरता में चार चांद लगाता है। नेचर लवर को इस जगह से प्यार हो जाएगा। यहां की सुंदरता देखकर आपका मन खुश हो जाएगा।

छठ पूजा के दिन महिलाएं पैरों में पहनें ये आकर्षक बिछिया

छठ पूजा का त्योहार आज से शुरु हो चुका है। इस पर्व को दौरान नए वस्त्र और गहने पहनना शुभ होता है। अगर आप इस दिन पैरों की खूबसूरती को बरकारार रखने के लिए आप छठ पूजा के दौरान ट्रेंडी बिछिया पहन सकते हैं।

छठ पूजा का इंतजार लोगों को काफी समय से होता है। आज से नहाय–खाय छठ पर्व की शुरुआत हो चुकी है। यह पर्व 4 दिन तक चलता है और 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखा जाता है। छठ पर्व के दौरान खुद को स्टाइलिश बनाने के लिए आप तैयारी जरुर कर रहे होंगे। छठ पूजा के मौके पर पैरों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए आप सुंदर बिछिया पहन सकते हैं। आइए जानते हैं छठ पूजा के लिए पैरों के आकर के हिसाब से बिछिया की नई और खूबसूरत डिजाइंस। इसके साथ ही बताएंगे इन्हें स्टाइलिश लुक देने के टिप्स–

पायल के साथ पहनें बिछिया

आपको बाजार में मन चाही फैंसी डिजाइन में और रंग–बिरंगी बिछिया देखने को मिल जाएगी। आजकल मार्केट में आपको पायल के साथ में जुड़ी हुई डिजाइन वाली खूबसूरत बिछिया देखने को मिल जाएंगी। रॉयल लुक पाने के लिए आप इसे गोल्डन कलर का भी पहन सकते हैं। इतना ही नहीं, पायल के साथ में आप हाथफूल की तरह दिखने वाली ब्रेसलेट स्टाइल जैसे पायल और बिछिया के साथ पहन सकते हैं।

स्टोन डिजाइन की बिछिया

अगर आप स्टोन वर्क काफी पसंद है तो यह आजकल काफी ट्रेंड में है। आप चाहें तो इसमें रेड और ग्रीन कलर के स्टोन वाली बिछिया को पहन सकती हैं। इस तरह की बिछिया देखने में काफी स्टाइलिश लुक देती हैं। आप चाहें तो एक ही पैर की अलग–अलग उंगलियों में अलग साइज और मिलते–जुल्गते शेप की बिछिया को पहन सकते हैं।

सिंपल डिजाइन की बिछिया

बाजार में कई तरह की सिंपल डिजाइन में आपको बिछिया मिल जाएगी। आप चाहे तो सिल्वर यानी चांदी की बिछिया मिल जाएंगे। चाहें तो इसमें आप अपनी पसंद से घुंघरू या स्टोन भी लगवा सकती हैं। इतना ही नहीं, अपनी पसंद के साइज भी एडजस्ट करवा सकते हैं।

पीरियड्स में कैसे करें छठ पूजा, क्या इस दौरान सूर्य देव को अर्घ्य दे सकते हैं या नहीं ?

छठ पूजा के दौरान महिलाएं, विशेषकर जब वे मासिक धर्म (पीरियड्स) में हों इस बात को लेकर अक्सर असमंजस में होती हैं कि वे पूजा और सूर्यदेव को अर्घ्य दे सकती हैं या नहीं। इस स्थिति में अधिकांश हिंदू परंपराओं में मासिक धर्म के दौरान पूजा–पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने से बचने की सलाह दी जाती है। इसका कारण यह है कि परंपरागत दृष्टिकोण से मासिक धर्म के समय महिला का शरीर एक प्राकृतिक प्रक्रिया से गुजरता है, जिसमें अधिक आराम की जरूरत होती है। यदि किसी महिला ने छठ पूजा का संकल्प ले रखा है और पूजा के समय पीरियड्स आ जाते हैं, तो कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए।

परंपरा के अनुसार विकल्प

यदि आप परंपरा का पालन करना चाहती हैं, तो छठ पूजा के दौरान आपके स्थान पर परिवार का कोई अन्य सदस्य सूर्यदेव को अर्घ्य दे सकता है। यह आपकी भक्ति में कोई कमी नहीं लाता। आप इस दौरान अपने मन और हृदय से छठी मईया और सूर्य देव की भक्ति कर सकती हैं। आस्था और श्रद्धा से की गई प्रार्थना का भी समान महत्व होता है।

पूजा की सामग्री को छूने से बचें

पीरियड्स के दौरान भी व्रत के सभी नियमों का पालन करना चाहिए। ऐसे में प्रभु के मंत्रों का ज्यादा से ज्यादा मनन करें। किसी विशेष पाठ का जाप करना चाहती हैं, तो फोन के जरिए पाठ पढ़ सकती हैं। स्नान के बाद साफ वस्त्र पहनकर ही मंत्र और पाठ करें। ऐसे में पूजा की सामग्री को छूने से बचने की सलाह दी जाती है.

आधुनिक दृष्टिकोण

कुछ महिलाएं यह मानती हैं कि मासिक धर्म के दौरान भी छठ पूजा का व्रत और अर्घ्य देना गलत नहीं है। ऐसे में, यदि आप सहज महसूस करती हैं और आपकी आस्था आपको इस बात की अनुमति देती है, तो आप इस दौरान पूजा और अर्घ्य दे सकती हैं। अंततः, इस निर्णय का आधार आपके व्यक्तिगत विश्वास और आस्था पर निर्भर करता है। चाहे आप किसी भी निर्णय पर पहुंचें, आपकी श्रद्धा और भक्ति का भाव महत्वपूर्ण होता है, और यही पूजा का असली सार है।

खाना बनाते समय सिलेंडर में लग जाए आग, तो भागने की बजाय इस तरह बचाएं घर को जलने से

आज कल गैस सिलेंडर में आग लगने की घटनाएं आम सुनने को मिल रही हैं। खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लगना एक गंभीर स्थिति हो सकती है, लेकिन कुछ सावधानी और सही कदम उठाने से इस आपातकालीन स्थिति को संभाला जा सकता है। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए हैं जो ऐसी परिस्थिति में आपकी मदद कर सकते हैं।

साहस और संयम बनाए रखें

सबसे पहले खुद को शांत रखें और जल्दी में कोई ऐसा कदम न उठाएं जो स्थिति को और बिगाड़ दे। घबराहट से गलती होने की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए संयमित रहकर काम करें।

गैस को बंद करें

अगर संभव हो तो गैस के रेगुलेटर को तुरंत बंद करने का प्रयास करें। ऐसा करने से गैस की सप्लाई बंद हो जाएगी और आग फैलने से रुक सकती है। अगर आग केवल पाइप में लगी है, तो रेगुलेटर बंद करने से आग नियंत्रित हो सकती है। तुरंत सभी इलेक्ट्रिकल उपकरणों जैसे पंखे, लाइट, और अन्य चीजों को बंद कर दें, क्योंकि इससे चिंगारी उठ सकती है और आग भड़क सकती है।

सोडा या गीले कपड़े का उपयोग करें

एक गीले कपड़े या मोटे कंबल का उपयोग करें और इसे सिलेंडर पर डालकर आग को दबाने की कोशिश करें। इससे आग को ऑक्सीजन नहीं मिलेगी और वह बुझ सकती है। आग बुझाने के लिए आप बेकिंग सोडा का उपयोग भी कर सकते हैं, क्योंकि यह आग पर तुरंत असर करता है। कभी भी पानी का इस्तेमाल न करें, क्योंकि यह आग को और बढ़ा सकता है।

फायर एक्सटिंग्विशर का प्रयोग करें

अगर आपके पास फायर एक्सटिंग्विशर है, तो उसका उपयोग करें। गैस से होने वाली आग को बुझाने के लिए विशेष तरह के अग्निशामक (बसें ठ पितम का इस्तेमाल किया जाता है, इसलिए इसे घर में रखना सुरक्षित हो सकता है।

तुरंत बाहर निकलें और मदद बुलाएं

अगर आग काबू में नहीं आ रही है, तो परिवार के सभी सदस्यों के साथ तुरंत बाहर निकलें और अपने नजदीकी फायर स्टेशन या आपातकालीन सेवा को कॉल करें। आग लगे सिलेंडर को हिलाने या उठाने का प्रयास बिल्कुल न करें, क्योंकि इससे आग और भी फैल सकती है।

वेंटिलेशन का ध्यान रखें

अगर आग काबू में है तो खिड़कियां और दरवाजे खोलकर कमरे का वेंटिलेशन बढ़ा सकते हैं, ताकि गैस का धुआं बाहर निकल सके। भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए रसोई में हमेशा फायर एक्सटिंग्विशर और पानी में भिगोए हुए कपड़े या कंबल रखें। ये चीजें आग बुझाने में मददगार साबित हो सकती हैं।

फेस्टिव सीजन में नहीं लगाने पड़ेंगे पार्लर के चक्कर, एक बार जरूर ट्राई करें ये घरेलू नुस्खा

हमारी स्किन रोज धूल, मिट्टी और प्रदूषण झेलती है। इसका असर सबसे ज्यादा हमारे चेहरे पर ज्यादा दिखाई देता है। हमारा फेस डार्क दिखने लगता है। ऐसे में जरूरी होता है कि आप सही स्किन केयर रूटीन फॉलो करें।

इन दिनों त्योहारों का सीजन चल रहा है। वहीं हर कोई यह चाहता है कि वह खूबसूरत दिखाई दे। ऐसे में खूबसूरत दिखने के लिए कुछ स्किन केयर रूटीन फॉलो करना चाहिए, जिससे आपकी त्वचा चमकदार बनें। लेकिन ऐसा हो नहीं पाता है। क्योंकि हमारी स्किन रोज धूल, मिट्टी और प्रदूषण झेलती है। इसका असर सबसे ज्यादा हमारे चेहरे पर ज्यादा दिखाई देता है। जब हम घर वापस आते हैं, तो हमारा फेस डार्क दिखने लगता है। ऐसे में जरूरी होता है कि आप सही स्किन केयर रूटीन फॉलो करें। अक्सर लोग इसके लिए पार्लर जाते हैं। लेकिन अगर आप पार्लर नहीं जाना चाहते हैं, तो घर पर रखी इन चीजों का इस्तेमाल कर स्किन केयर कर पाएंगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप स्किन का ख्याल रख पाएंगी।

फेस वॉश

अधिकतर लोग मार्केट से लाए फेस वॉश का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर आप घर पर ही फेस वॉश बना सकते हैं। वहीं इससे आपके फेस पर नेचुरल ग्लो आता है। इसके लिए आप 1 चम्मच बेसन और आधा कप दूध को मिक्स करें। इन दोनों चीजों को अच्छे से मिक्स कर लें। फिर आइस ट्रे में डालकर जमा लें। अब आप रोजाना इससे अपना फेस साफ करें। इससे आपके चेहरे पर ड्राईनेस भी नहीं रहती है।

फेस स्कब्र

मार्केट में आपको अलग–अलग चीजों से बने फेस स्क्रब मिल जाएंगे। लेकिन इसमें केमिकल होने से स्किन पर रेडनेस या फिर जलन होने लगती है। ऐसे में आप घर में रखी मलाई, चीनी और शहद का घरेलू फेस स्क्रब बनाकर इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। सभी चीजों को 1–1 चम्मच मिक्स कर लें और फिर फेस पर स्क्रब कर लें। फिर हल्के हाथों से अपने फेस पर रगड़े और 15–20 मिनट बाद फेस वॉश कर लें।

फेस क्रीम

हर किसी के घर में एलोवेरा जेल मिल जाता है। एलोवेरा हमारी त्वचा के लिए भी अच्छा होता है। आप रोजाना चेहरे पर एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप फेस क्रीम के लिए भी इसको लगा सकती हैं। इसके लिए 2 चम्मच एलोवेरा जेल और 1 विटामिन ई का कैप्सूल लेकर दोनों को मिक्स कर लें। फिर रात के समय इसको फेस पर लगाएं। इससे आपका चेहरा हाइड्रेट रहेगा। साथ ही आपके फेस पर नेचुरल ग्लो दिखाई देगा।

संक्षिप्त

Stock Market में छाई हरियाली, ज्तनउच के आने पर शेयर बाजार में आई तेजी, इन स्टॉक्स को मिला उछाल

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आ चुके है। अमेरिका में चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद पता चला है कि डोनाल्ड ट्रम्प ही विजेता है। जीत का ताज उनके ही सिर पर सजा है। डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस डोनाल्ड ट्रम्प को हराने में सफल नहीं हुई। डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के बाद ग्लोबल शेयर बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। भारतीय शेयर बाजार में तेजी सुबह से ही देखने को मिल रही है। दरअसल जैसे डोनाल्ड ट्रम्प की जीत की जानकारी मिली वैसे ही बाजार में मजबूती दिखी। डोनाल्ड ट्रंप सरकार की नीतियों में आमतौर पर ग्लोबल कॉरपोरेट जगत के लिए सकारात्मक झलक दिखती है। डोनाल्ड ट्रम्प खुद भी बिजनेस टायकून है। अमेरिका, यूरोप समेत पूरी दुनिया में डोनाल्ड ट्रम्प का बिजनेस फैला हुआ है। भारत में भी डोनाल्ड ट्रम्प का बड़ा रियल एस्टेट कारोबार है। वहीं डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के बाद भारतीय टेक्नोलॉजी शेयरों में उछाल देखने को मिला है। कई बड़ी भारतीय आईटी कंपनियां भी अमेरिका में कारोबार कर रही है। डोनाल्ड ट्रम्प को मिली जीत के बाद टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल टेक, विप्रो के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। आंकड़ों के मुताबिक टीसीएस में 3.74:, एचसीएल टेक में 3. 80:, इंफोसिस में 3.80:, विप्रो में 3.20: की बढ़त देखने को मिली है। डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के बाद दोपहर 2.20 बजे बीएसई सेंसेक्स 800 अंक ऊपर चढ़ा था। बीएसई इस दौरान 80,250 को पार करते हुए कारोबार कर रहा था। एनएसई निफ्टी में भी तेजी देखने को मिली है। एनएसई निफ्टी 235 अंक चढ़कर 24,450 के लेवल पर पहुंचा। बता दें कि एमेके ग्लोबल ने संभावना जताई थी कि ट्रम्प की जीत के बाद शेयर बाजार में शॉर्ट टर्म रैली देखने को मिल सकती है। निवेशकों को इसका फायदा हो सकता है।

जीडीपी वृद्धि पर आंकड़े मिले-जुले, लेकिन सकारात्मक कारक नकारात्मक से अधिक : दास

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा कि आर्थिक वृद्धि पर आने वाले आंकड़े मिले–जुले हैं, लेकिन सकारात्मक कारक नकारात्मक पहलुओं से अधिक हैं। दास ने 'बिजनेस स्टैंडर्ड' के वार्षिक बीएफएसआई कार्यक्रम में कहा कि अंतर्निहित आर्थिक गतिविधियां कुल मिलाकर मजबूत बनी हुई हैं। उन्होंने कहा, ''जो आंकड़े आ रहे हैं, वे मिले–जुले हैं, लेकिन सकारात्मक पहलू नकारात्मक पहलुओं से अधिक हैं और कुल मिलाकर अंतर्निहित गतिविधियां मजबूत

बनी हुई हैं।'' गौरतलब है कि कई विश्लेषक वृद्धि के बारे में चिंता जता रहे हैं। ऐसा खासकर आधिकारिक आंकड़ों के आने के बाद हुआ, जब वित्त वर्ष 2024–25 की पहली तिमाही में वृद्धि दर 15 तिमाहियों के निचले स्तर 6.7 प्रतिशत पर आ गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) हालांकि 2024–25 के लिए 7. 2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि के अपने अनुमान पर कायम है, जबकि कुछ लोगों का मानना है कि यह सात प्रतिशत से कम रहेगी। दास ने कहा कि आरबीआई अपने अनुमान पर पहुंचने के लिए 70 से अधिक उच्च आवृत्ति वाले संकेतकों पर नजर रखता है। दास ने कहा कि औद्योगिक उत्पादन या आईआईपी के आंकड़े, और रोजमर्रा के उपभोग वाली वस्तुओं (एफएमसीजी) की शहरी मांग में नरमी है। इसके अलावा, सितंबर तिमाही में सब्सिडी खर्च में वृद्धि हुई है और इसका दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों पर असर पड़ेगा। उन्होंने सकारात्मक पहलुओं में जीएसटी ई–वे बिल, टोल संग्रह, हवाई यात्री यातायात और इस्पात तथा सीमेंट उद्योग के अच्छे प्रदर्शन का जिक्र किया।

मैनकाइंड फार्मा का दूसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 29 प्रतिशत बढ़कर 659 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली। मैनकाइंड फार्मा का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई–सितंबर तिमाही में 29 प्रतिशत बढ़कर 658.88 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उसे यह मुनाफा बिक्री की मात्रा बढ़ने से हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 511. 18 करोड़ रुपये रहा था। देश की चौथी सबसे बड़ी फार्मास्युटिकल कंपनी मैनकाइंड फार्मा ने बताया कि उसकी परिचालन आय सितंबर तिमाही में 13. 6 प्रतिशत बढ़कर 3,076.51 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,708.10 करोड़ रुपये रही थी। मैनकाइंड फार्मा के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक राजीव जुनेजा ने कहा, "कंपनी की 13.6 प्रतिशत की स्थिर आय वृद्धि हुई तथा 27.7 प्रतिशत का मजबूत एबिटा मार्जिन रहा। यह मात्रा में सुधार, कमजोर खंड में निरंतर बेहतर प्रदर्शन के कारण संभव हुआ।" कंपनी का कुल खर्च सितंबर तिमाही में 9.8 प्रतिशत बढ़कर 2,339.19 करोड़ रुपये रहा है। मैनकाइंड फार्मा की कुल आमदनी (अन्य आय समेत) सितंबर तिमाही में 15.09 प्रतिशत बढ़कर 3,185.94 करोड़ रुपये रही है। कंपनी की घरेलू आय सितंबर तिमाही में 11 प्रतिशत बढ़कर 2,796 करोड़ रुपये रही है, जबकि निर्यात आय 57 प्रतिशत बढ़कर281 करोड़ रुपये रही।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर रिकी पोंटिंग के बड़े बोल, भारतीय टीम के लिए की ये भविष्यवाणी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिग ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी को लेकर भविष्यवाणी की है। दोनों देशों के बीच 22 नवंबर से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी जिसका पहला मुकाबला पर्थ में होगा। भारतीय टीम की नजरें ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज की हैट्रिक लगाने पर टिकी होंगी। हालांकि, यह दौरा रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम के लिए आसान नहीं रहेगा क्योंकि उसे हाल ही में अपने ही घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 0–3 से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाजों की फॉर्म भी चिंता का विषय बनी हुई है। भारत के हालिया प्रदर्शन को देखते हुए पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलिया को यह सीरीज जीतने का प्रबल दावेदार बताया और भारत की बड़ी हार की भविष्यवाणी की। पोंटिंग के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की यह सीरीज 3–1 से अपने नाम करेगा। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू कार्यक्रम पर कहा, मुझे लगता है कि भारत इस पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में कोई एक मैच जीत सकता है। लेकिन मेरा मानना है कि ऑस्ट्रेलिया अभी भी ज्यादा मजबूत दिख रहा है और उसके पास कुछ ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं। हम सभी को पता है कि ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराना चुनौतीपूर्ण है, इसलिए मैं इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के लिए 3–1 की भविष्यवाणी कर रहा हूं। पोंटिंग ने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति में भारत के गेंदबाजी आक्रमण में कुछ कमी है। शमी पिछले साल वनडे विश्व कप के बाद से मैदान पर वापसी नहीं कर सके हैं। शमी चोट के कारण करीब एक साल से खेल से दूर हैं। उम्मीद थी कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वापसी करेंगे, लेकिन भारतीय

टीम में उन्हें जगह नहीं मिली।

भारत के लिए मैच में 20 विकेट लेना चुनौती

शमी ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में एक खाली स्थान छोड़ दिया है। अगस्त में इस बारे में चर्चा हो रही थी कि शमी फिट हो सकेंगे या नहीं। मुझे लगता है कि एक टेस्ट मैच में 20 विकेट लेना भारत के लिए बड़ी चुनौती होगी। भारतीय टीम में जितने बल्लेबाज हैं, उसे देखते हुए वे ऑस्ट्रेलिया में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिहाज से अहम है सीरीज

शमी की अनुपस्थिति में प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा भारत की 18 सदस्यीय टीम में शामिल हैं। भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण में जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप और मोहम्मद सिराज भी मौजूद हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछले दो दौरों पर टेस्ट सीरीज जीती थी। भारत को अगर विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के लिए क्वालिफाई करना है तो उसे ऑस्ट्रेलिया से 4–0 से सीरीज जीतनी होगी।

कौन है जलज सक्सेना ? जिन्होंने रणजी ट्रॉफी में 5 विकेट लेकर रचा इतिहास

घरेलू क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी जलज सक्सेना रणजी ट्रॉफी में छा गए। उन्होंने बुधवार 6 नवंबर को थुंबा में उत्तर प्रदेश के खिलाफ केरल के चौथे दौर के मैच के दौरान 6 हजार रन और 400 विकेट का डबल हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इसके साथ ही जलज रणजी ट्रॉफी के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर बन गए हैं। कोलकाता में पिछले दौर में 6 हजार रन पार करने वाले सक्सेना ने ये उपलब्धि तब हासिल की जब उन्होंने उत्तर प्रदेश के खिलाप अपना चौथा विकेट लिया। ये उनका 400वां रणजी ट्रॉफी विकेट था। टॉस जीतकर फील्डिंग का विकल्प चुनने के बाद केरल ने उत्तर प्रदेश की कमर तोड़कर रख दी। सक्सेना ने यूपी के बाएं हाथ के बल्लेबाज नितीश राणा को स्टंप आउट करके 400वें विकेट की उपलब्धि हासिल की। सक्सेना ने जल्द ही अपना पांचवां विकेट लिया। ये रणजी ट्रॉफी में उनका 29वां पांच विकेट हॉल था। यूपी के खिलाप उनका ये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यूपी 18वीं टीम है, जिसके खिलाफ सक्सेना ने पांच विकेट हॉल लिया है। उन्होंने टूर्नामेंट के रिकॉर्ड के मामले में पंकज सिंह की बराबरी कर ली है। जलज रणजी ट्रॉफी के इतिहास में 400 विकेट का आंकड़ा छूने वाले सिर्फ 13वें गेंदबाज हैं और ऐसा करने वाले एकमात्र सक्रिय क्रिकेटर हैं। सक्सेना ने 2005 में मध्य प्रदेश के साथ अपना प्रथम श्रेणी करियर शुरू किया था। 2016–17 सत्र में केरल जाने से पहले उन्होंने टीम के लिए कुल 159 विकेट लिए और 4041 रन बनाए थे। दाएं हाथ के ऑफ स्पिनर तब से केरल के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं, जो सिर्फ केएन अनंथापद्मनाभन से पीछे हैं।

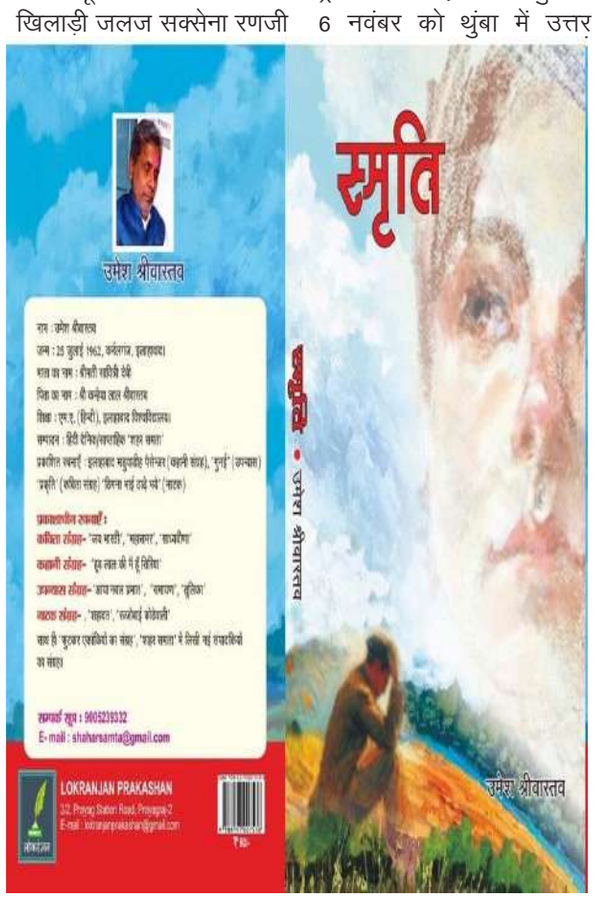

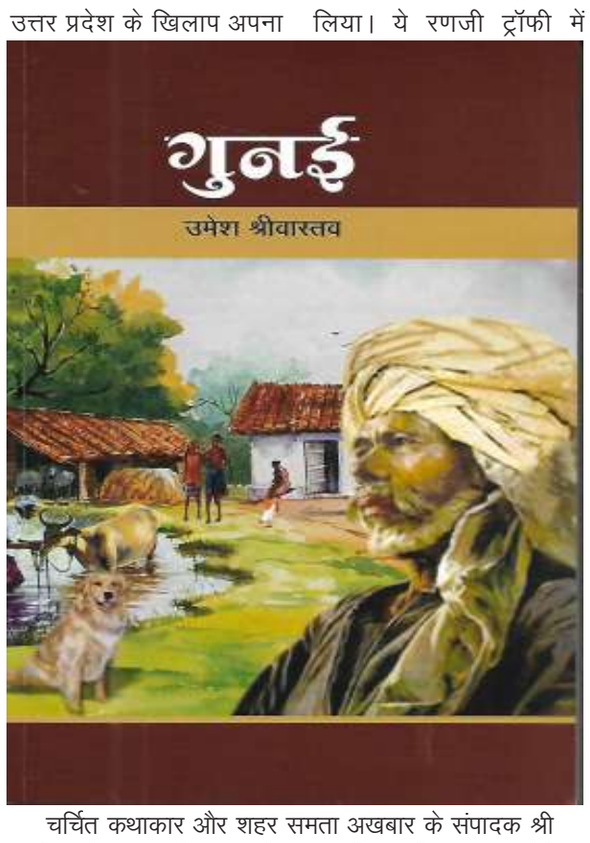

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

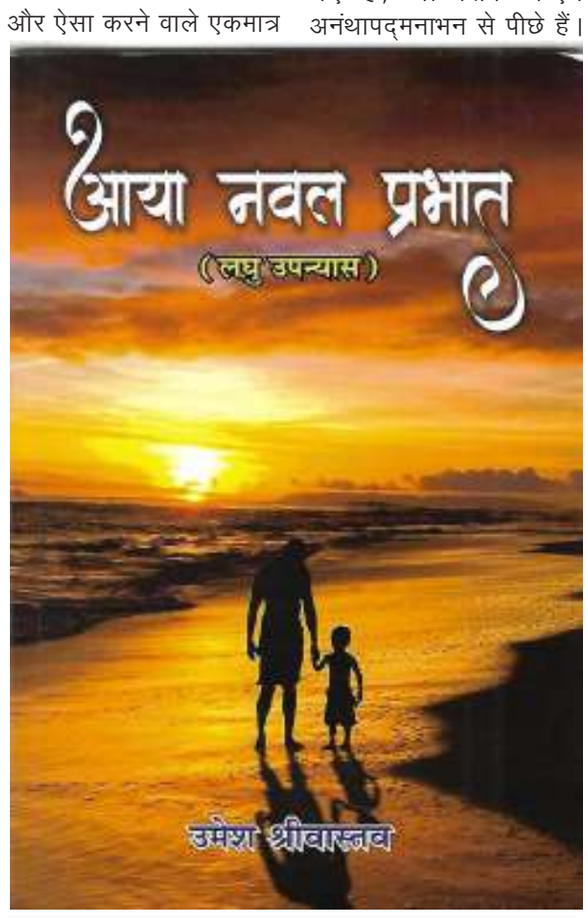

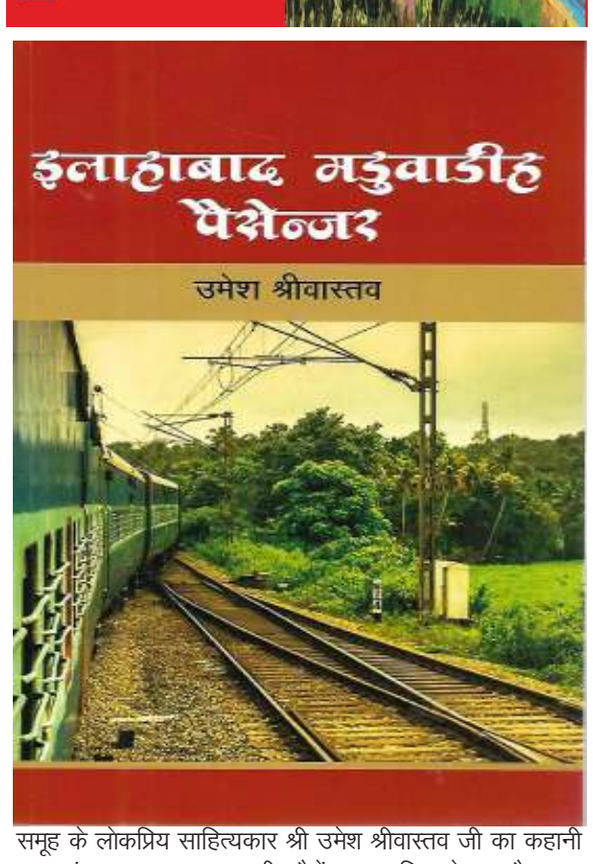

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

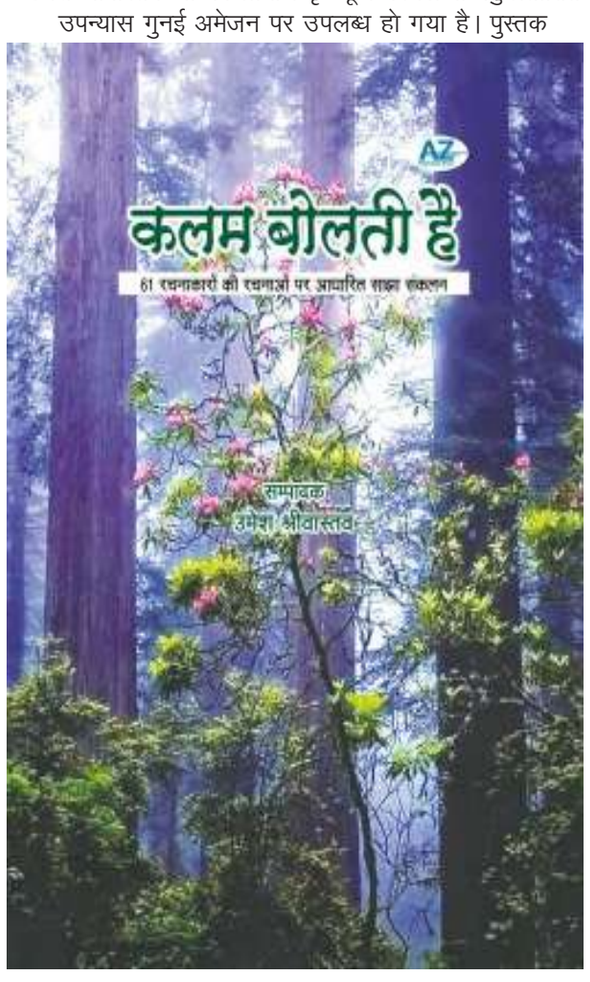

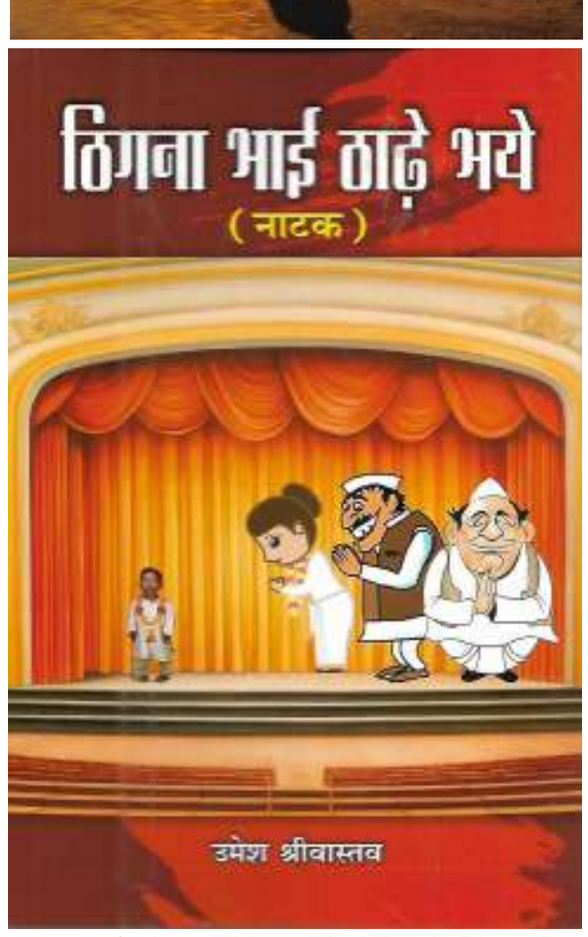

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बनीज से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

कैनबरा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मुलाकात की और द्विपक्षीय समग्र रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के तरीकों पर विचार–विमर्श किया। जयशंकर ने इस मुलाकात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से अल्बनीज को अभिवादन प्रेषित किया। विदेश मंत्री तीन से सात नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आज कैनबरा में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मिलकर खुशी

हुई।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से अभिवादन प्रेषित किया। भारत–ऑस्ट्रेलिया समग्र रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के लिए उनके मार्गदर्शन की प्रशंसा करता हूं।'' इससे पहले जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया में लिबरल पार्टी के नेता पीटर डटन से भी मुलाकात की। जयशंकर ने डटन से मुलाकात के बाद कहा, ''वैश्विक मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण का आदान–प्रदान किया। हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए उनके समर्थन की सराहना करता हूं।'' जयशंकर ने कहा, ''शिक्षा, प्रौद्योगिकी, कृषि और लोगों के बीच संबंधों पर चर्चा की। हिंद–प्रशांत तथा वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया।'' विदेश मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नहयान से भी मुलाकात की। जयशंकर ने 'एक्स' पर लिखा, ''कैनबरा में आज मेरे मित्र यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नहयान से मुलाकात अच्छी रही।

इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री को किया बर्खास्त

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश के लोकप्रिय रक्षा मंत्री योआव गैलेंट को बर्खास्त करने की मंगलवार को अचानक घोषणा कर दी। गाजा में जारी युद्ध के दौरान नेतन्याहू और गैलेंट के बीच कई बार मतभेद उभरेहैं। हालांकि

नेतन्याहू ने उन्हें बर्खास्त करने से परहेज किया। नेतन्याहू ने पिछले साल मार्च में जब गैलेंट को बर्खास्त करने का प्रयास किया था तो उनके इस कदम के खिलाफ देश में प्रर्दशन हुआ था। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने इस निर्णय की घोषणा मंगलवार देर रात की।

कमला हैरिस ने डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया से जीत हासिल की

ट्रंप ने मौजूदा समय के वाशिंगटन को अपराधग्रस्त और अंधकारमय राज्य बताया है तथा कांग्रेस में (अमेरिकी संसद) रिपब्लिकन पार्टी के सहयोगियों ने इसकी सीमित स्वायत्तता छीनने की धमकी दी है। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने मंगलवार को डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया (डीसी) से जीत हासिल की। हैरिस ने राजधानी के तीन निर्वाचक मंडल वोट हासिल कर लिए हैं। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया में हैरिस की जीत कोई आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि यह लंबे समय से डेमोक्रेटिक पार्टी का गढ़ रहा है। ट्रंप ने मौजूदा समय के वाशिंगटन को अपराधग्रस्त और अंधकारमय राज्य बताया है तथा कांग्रेस में (अमेरिकी संसद) रिपब्लिकन पार्टी के सहयोगियों ने इसकी सीमित स्वायत्तता छीनने की धमकी दी है।

कौन हैं इस्राइल के नए रक्षा मंत्री काट्ज? जिन्हें गैलेंट पर गाज के बाद मिली जिम्मेदारी

यरुशलम। बीते एक साल से ज्यादा समय से इस्राइल और हमास के बीच जंग जारी है। वहीं, इस युद्ध की लपटें लेबनान और ईरान तक पहुंच चुकी हैं। इस बीच, इस्राइल से एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश के रक्षा मंत्री याओव गैलेंट को बर्खास्त कर दिया है। वहीं उनकी जगह इस्राइल काट्ज को नियुक्त किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, गाजा में जारी युद्ध के दौरान नेतन्याहू और गैलेंट के बीच कई बार मतभेद उभरे हैं। ऐसे में इस्राइली प्रधानमंत्री ने जंग के बीच रक्षा मंत्री को बर्खास्त कर दिया। उन्होंने कहा कि अब गैलेंट के सैन्य अभियानों के प्रबंधन पर भरोसा नहीं था। वर्तमान में इस्राइल इस समय सात मोर्चों पर जंग लड़ रहा है, जिसमें सबसे अहम गाजा में हमास और लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ कार्रवाई है। इसके अलावा, ईरान, सीरिया, इराक और हूती विद्रोहियों से भी इस्राइली सेना लोहा ले रही है। जारी जंग के बीच पीएम का ये फैसला बेहद चौंकाने वाला है। अब नेतन्याहू ने गैलेंट के स्थान पर रक्षा मंत्री के रूप में विदेश मंत्री इस्राइल काट्ज को नियुक्त किया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

यूएस में अबकी बार ट्रंप सरकार, अमेरिका में भी फेल हो गये सारे चुनावी सर्वेक्षण

अमेरिका में अबकी बार ट्रंप सरकार बनने का रुझान सामने आते ही रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों का उत्साह देखते ही बन रहा है। स्विंग स्टेटस में ट्रंप को मिलती बढ़त देखकर कमला हैरिस के समर्थक काउंटिंग सेंटरों को छोड़कर जाने लगे हैं। दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक पूरे अमेरिका में नाचते गाते दिख रहे हैं। इस चुनाव की खास बात यह भी रही कि अमेरिका में भी चुनाव सर्वेक्षण विफल साबित हुए हैं। पहले सबने अनुमान लगाया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में बहुत कांटे की टक्कर रहने वाली है और इस बार का चुनाव अमेरिकी इतिहास में सबसे करीबी मुकाबले के रूप में देखा जायेगा। लेकिन ट्रंप ने जिस तरह की निर्णायक बढ़त हासिल की है वह दर्शा रही है कि सारे अनुमान गलत साबित हुए और मतदाता डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन से तंग आ गये थे। जिस तरह कमला हैरिस तगड़े चुनाव प्रचार के बावजूद करारी हार झेल रही हैं उससे यह अनुमान भी सहज ही लगाया जा सकता है कि यदि ट्रंप के मुकाबले जो बाइडन मैदान में उतरे होते तो उन्हें कितनी तगड़ी हार झेलनी पड़ती। हम आपको बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप शुरुआती मतगणना में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस से आगे हैं। ट्रंप ने 247 निर्वाचक मंडल वोट जबकि हैरिस ने 210 निर्वाचक मंडल वोट हासिल कर लिए हैं। हम आपको बता दें कि 270 या उससे अधिक निर्वाचक मंडल वोट जीतने वाला उम्मीदवार राष्ट्रपति चुना जाता है। व्हाइट हाउस की दौड़ में कौन जीतेगा यह इन सात 'स्विंग राज्यों' के नतीजों पर निर्भर करेगा, जिनमें एरिजोना, जॉर्जिया, मिशिगन, नेवादा, उत्तरी कैरोलाइना, पेन्सिल्वेनिया और विस्कॉन्सिन शामिल हैं। हम आपको बता दें कि अमेरिका में 50 राज्य हैं और उनमें से अधिकतर राज्य हर चुनाव में एक ही पार्टी को वोट देते रहे हैं, सिवाय 'स्विंग' राज्यों के। बताया जाता है कि चुनावी रूप से अहम माने जाने वाले इन 'स्विंग' राज्यों में मतदाताओं का रुझान बदलता रहता है। जनसंख्या के आधार पर राज्यों को निर्वाचक मंडल वोट दिए जाते हैं। हम आपको बता दें कि कुल 538 निर्वाचक मंडल वोट के लिए मतदान होता है। 270 या उससे अधिक निर्वाचक मंडल वोट पाने वाले उम्मीदवार को चुनाव में विजेता घोषित किया जाता है।

यूएस चुनाव में खेल पलटते ही एलन मस्क ने कर दिया नया धमाका, सोशल मीडिया पर मच गई खलबली

रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने उत्तरी कैरोलिना, जॉर्जिया और पेंसिल्वेनिया के प्रमुख युद्ध के मैदानों में डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस को पछाड़ दिया, और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दूसरे कार्यकाल के करीब पहुंच गए। एलन मस्क ने एक फोटो ट्वीट की है। मस्क की शेयर की गई फोटो में वो ट्रंप के साथ नजर आ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप फ्लोरिडा पहुंचे हैं। ट्रंप अपने समर्थकों के साथ नतीजे देख रहे हैं। इससे पहले एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि वो चाहते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप ही अमेरिकी राष्ट्रपति बने। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है तो फिर अमेरिका में अर्थव्यवस्था की हालत बहुत ही खस्ता हो जाएगी। अब एलन मस्क ने एक तस्वीर पोस्ट की है। इसमें वो ट्रंप के साथ नजर आ रहे हैं। इस तरह की कई सारी तस्वीरें इस चुनाव के दौरान देखने को मिली थी। आज जब वोटों की गिनकी हो रही है तब भी इस तरह की तस्वीर चर्चा का विषय बनी हुई है। एलन मस्क लगातार ट्रंप के पक्ष में बोलते नजर आएं हैं। उन्होंने कहा कि ये जीत अमेरिका में होनी बहुत जरूरी है और ये लोकतंत्र के लिए व देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बेहद जरूरी है। जैसे जैसे ट्रेंड सामने आने लगे शेयर बाजार में भी जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। सेंसेक्स 80 हजार के आंकड़े को पार कर चुका है। अब इसे बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के नतीजे और ट्रेंड को देखने के बाद का वो रिफलेक्शन है। तो अंतरराष्ट्रीय बाजार किस ओर जाएगा और इसका भारतीय शेयर बाजार पर कितना होगा इन बातों पर भी सबकी नजर है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्विंग राज्य जॉर्जिया में जीत हासिल की। ट्रंप की इस जीत के साथ 16 निर्वाचक मंडल वोट रिपब्लिकन पार्टी की झोली में फिर से आ गए। 'स्विंग' राज्य उन्हें कहा जाता है जहां मतदाताओं की राय बदलती रहती है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2020 में जॉर्जिया में बेहद कम अंतर से जीत हासिल की थी। हालांकि 1996 के बाद से हर दूसरे राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी जॉर्जिया में जीतती आई है। ट्रंप ने जॉर्जिया में अपनी 2020 की हार को पलटने की कोशिश की थी जिससे एक राजनीतिक और कानूनी संघर्ष शुरू हो गया और राज्य में उनके खिलाफ अभियोग चलाया गया।

इतिहास का सबसे महान राजनीतिक क्षण, ऐसी जीत अमेरिका ने पहले कभी नहीं देखी, राष्ट्रपति चुनाव के रिजल्ट पर बोले डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत हो गई है। जीत के बाद अपने पहले भाषण में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब ये एक नए महत्वपूर्ण स्तर पर पहुंचने जा रहा है। हम अपने देश को ठीक करने में मदद करने जा रहे हैं। हमारे पास एक ऐसा देश है जिसे मदद की ज़रूरत है और उसे मदद की सख्त ज़रूरत है। हम अपनी सीमाएं फिक्स करने जा रहे हैं। हम सब कुछ फिक्स करने जा रहे हैं। हमने इतिहास बनाया है। ट्रंप ने कहा कि हमने उन बाधाओं को पार कर लिया जिनके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं था और अब यह स्पष्ट है कि हमने सबसे अविश्वसनीय राजनीतिक उपलब्धि हासिल की है और देखिए क्या हुआ। ट्रंप ने कहा कि मेरे फॉदर इन लॉ विक्टर और मिलेनिया की मां को बहुत मिस करते हैं। मैं सबसे पहले उपराष्ट्रपति को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। उनकी खूबसूरत पत्नी उषा वेंस को भी बधाई। वेंस का जिक्र करते हुए ट्रंप ने उन्हें एक जुझारू लड़का बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने वोटर्स को संबोधित करते हुए कहा कि हम मतदाताओं के लिए सब कुछ ठीक करने जा रहे हैं। यह एक ऐसी राजनीतिक जीत है, जो हमारे देश ने पहले कभी नहीं देखी। 47वें राष्ट्रपति के रूप में मैं हर दिन आपके लिए लडूंगा. यह अमेरिका के लिए एक शानदार जीत है, जो अमेरिका को फिर से महान बनाएगी। डोनाल्ड ट्रंप के बाद अमेरिका के उप राष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस ने भी रिपब्लिकन पार्टी के वोटर्स को संबोधित किया। जेडी वेंस ने कहा कि मैं बधाई देना चाहता हूं। अमेरिका के इतिहास में महान राजनीतिक वापसी हुई है। अमेरिकी इतिहास में यह सबसे बड़ी आर्थिक वापसी हुई है। बता दें कि जेडी वेंस ने भी अपने क्षेत्र से जीत हासिल की है।

राष्ट्रपति बनते ही यूक्रेन युद्ध रुकवा देंगे ट्रंप ?

क्या वैश्विक स्तर पर पीएम मोदी का काम और बढ़ने वाला है

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अगर मैं चुनाव जीत गया तो रूस और यूक्रेन की जंग को 24 घंटे में बंद करा दूंगा। भले ही 24 घंटे में ऐसा संभव नहीं हो पाए। लेकिन इसके पीछे ये साफ संकेत है कि यूक्रेन को सपोर्ट जरूर बंद या कम किया जा सकता है। जैसे ही अमेरिकन सपोर्ट यूक्रेन को कम होगा तो ये जाहिर सी बात

है कि शांति वार्ता की पहल तेज हो जाएगी। वाटो और अमेरिका के समर्थन से ही यूक्रेन रूस के साथ अभी तक युद्ध में टिका हुआ है। इस बात की संभावना काफी तेज है कि ट्रंप के सत्ता संभालते ही यूक्रेन को सपोर्ट कम होगा और युद्ध बंद होने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप अगर जीत जाते हैं तो धीरे धीरे करके जहां जहां अमेरिकन सेना है वहां पांव पीछे खींचने शुरू हो सकते हैं। ये एक बड़ा मुद्दा रहा है और इसको लेकर इतिहास में भी काफी दवाब रहा है कि अमेरिका का बड़ा पैसा व भारी मात्रा में सैनिक भी वहां पर जा रहे हैं। लेकिन मीडिल ईस्ट पर नजर घुमाए तो इजरायल को सपोर्ट न करने का फैसला मुश्किल भरा हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल में भारत के आंतरिक मामलों में दखल न देने पर जोर दिया था। इन सब के बावजूद कमला हैरिस खुद को भारत के ज्यादा करीबी होने का दावा करती हैं क्योंकि उनकी मां भारतीय हैं। इसके अलावा ट्रंप के आने से भारत की मदद से रूस यूक्रेन का युद्ध भी रुक सकता है। ट्रंप ने खुद ही कहा है कि वो जीते तो लड़ाई रुकवा देंगे। अमेरिका और पश्चिमी देशों को मिलाकर लगभग 80 देश यूक्रेन का जंग में साथ दे रहे हैं। लगभग करोड़ो के हथियार यूक्रेन को दिए जा चुके हैं। एक साल के अंदर यूक्रेन को हजारों एंटी टैंक मिसाइलें मिल चुकी हैं। फिर भी रूस ने यूक्रेन में तबाही मचा रखी है। जीतना तो दूर यूक्रेन का युद्ध में टिक पाना मुश्किल नजर आ रहा है। उन्होंने कहा था कि मत भूलो, बुश के रहते उन्होंने जॉर्जिया पर कब्जा कर लिया। ओबामा के रहते उन्होंने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया और बाइडेन के रहते वे सब कुछ ले रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि वे सब कुछ लेने जा रहे हैं। पूरी तरह से। वे पूरे एनचिलाडा ले रहे हैं। वे सबकुछ लिए जा रहे हैं। मुझे तो यही दिखता है।

अब भारतीय रेस्त्रां मालिक भी रख सकेंगे इन तीन एशियाई देशों के रसोइये, त्योहारों पर होगी आसानी

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय रेस्त्रां के लिए रसोइये ढूंढना आसान नहीं होता और खासकर त्योहारों जैसे दीवाली के समय यह और भी मुश्किल हो जाता है। इसी बात से परेशान होकर रेस्त्रां मालिकों ने सिंगापुर सरकार को रसोइये को लेकर आवेदन किया था। जिसको लेकर सरकार ने रस्तरां मालिकों को राहत देते हुए भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका से वर्क परमिट पर रसोइये नियुक्त करने की अनुमति दी गई है। बता दें कि सितंबर पिछले साल से आवेदन स्वीकार किए जाने के बाद पहले तीन महीनों में 400 भारतीय भोजनालयों ने इन कामकाजी परमिटों का इस्तेमाल किया। जिसको लेकर भारतीय रेस्त्रां एसोसिएशन के अध्यक्ष गुर्चरण सिंह ने कहा, त्योहारों के दौरान हमें बहुत सारे हाथों की जरूरत होती है, क्योंकि बहुत सारी खास चीजें बनानी होती हैं जैसे मीठे पकवान, जो हमारे सामान्य मेनू में नहीं होते। रेस्त्रांओं द्वारा किए गए आवेदन का मूल्यांकन प्रसिद्ध शेफ जैसे उद्योग के विशेषज्ञ करते हैं, और सरकारी एजेंसियां भी इसमें शामिल होती हैं, जिसमें भारतीय धरोहर केंद्र भी शामिल है। इस फैसले से लाभ उठाने वाले रेस्त्रांओं में से एक है रिवरवॉक तंदूर, जो रंगून रोड पर स्थित है। इसके प्रबंधक निदेशक शरणजीत कौर ने इसे एक ष्सपने के सच होनेष जैसा बताया, क्योंकि रेस्त्रां को शेफ की भर्ती में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। गायत्री रेस्टोरेंट के प्रबंध निदेशक एस महेन्द्रन ने कहा, ष्इस कदम ने भारतीय रेस्त्रां को अपनी सेवा में सुधार करने का मौका दिया है। हालांकि रेस्त्रांओं ने अधिक शेफ भर्ती करने के लिए सरकार का धन्यवाद किया, वे चाहते हैं कि विदेशी कामकाजी श्रमिकों के लिए कोटा बढ़ाया जाए, ताकि मांग पूरी हो सके। वर्तमान में इस तरह के श्रमिकों के लिए कोटा कुल श्रमिकों का 8 प्रतिशत है। महेंद्रन ने कहा आपको एक विदेशी भारतीय शेफ रखने के लिए 12 स्थानीय श्रमिकों की जरूरत होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कोटे को बढ़ाया जाएगा। इसके अलावा, रिवरवॉक तंदूर को यह भी उम्मीद है कि वह अपने 11 रोजगार पास (म्द) धारकों को बनाए रख सके, जिन्होंने कंपनी के साथ 10 से ज्यादा साल काम किया है।

सरकारी अधिकारी के 400 से ज्यादा अश्लील वीडियो मिले, सोशल मीडिया पर लीक होने से बवाल

मालाबो। अफ्रीकी देश इक्वेटोरियल गिनी के एक शीर्ष सरकारी अधिकारी के 400 से ज्यादा अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर लीक हो गए हैं। इससे मध्य अफ्रीका के इस देश में भूचाल आ गया है और सरकार की इस मुद्दे पर भारी बदनामी हो रही है। दरअसल इन वीडियो में आरोपी सरकारी अधिकारी विभिन्न सरकारी अधिकारियों की पत्नियों के साथ शारीरिक संबंध बनाते दिख रहा है। स्थिति ये हो गई है कि सरकार ने इन वीडियो के प्रसार को रोकने के लिए इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया है।

क्या है पूरा मामला

आरोपी अधिकारी की पहचान बाल्टसार एबांग एंगोंगा के रूप में हुई है। आरोपी अधिकारी नेशनल फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी का निदेशक है। आरोपी अधिकारी ने अपने कार्यालय, घर समेत विभिन्न स्थानों पर महिलाओं के साथ शारीरिक संबंध बनाए। गौरतलब है कि जिन महिलाओं के साथ आरोपी अधिकारी ने शारीरिक संबंध बनाए, उनमें से कई इक्वेटोरियल गिनी सरकार के शीर्ष अधिकारियों की पत्नियां हैं। इक्वेटोरियल गिनी के उपराष्ट्रपति टेयोडोरो न्गुएमा ओबोइंग ने उन सभी अधिकारियों को तुरंत निलंबित करने का आदेश दिया है, जो अपने कार्यालय में शारीरिक संबंध बनाते पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह आचार संहिता का उल्लंघन है। बता दें कि इक्वेटोरियल गिनी में पहली बार नहीं है, जब वहां के सरकारी अधिकारियों के अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर लीक हुए हैं,

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।